घटती घटना

सत्य के साथ...जनहित में बात...

www.ghatatighatana.com अम्बिकापुर,वर्ष 22, अंक - 217- सोमवार 08- जून 2026,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050,डाक पंजीयन. क्रं. 13/Surguja DN/ 2026-2028

महंगाई की मार....एक बार फिर बढ़ी एलपीजी सिलेंडरों के कीमतें,कंपनियों ने 29 रुपए बढ़ाए दाम

नई दिल्ली,07 जून 2026। सरकारी तेल कंपनियों ने एलपीजी गैस सिलेंडर के दामों में एक बार फिर बढ़ोतरी कर दी है। 14.2 किलोग्राम वाले घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमत में 29 रुपये की वृद्धि की गई है। इसके बाद दिल्ली में इसकी कीमत 913 रुपये से बढ़कर 942 रुपये हो गई है। दिल्ली में घरेलू एलपीजी सिलेंडर की नई कीमत रविवार से लागू हो गई। इससे पहले 1 जून को 19 किलोग्राम वाले कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में भी बढ़ोतरी की गई थी। तेल कंपनियों ने कमर्शियल एलपीजी के दाम में 42 रुपये की वृद्धि की थी। जून में हुई इस बढ़ोतरी को मिलाकर बीते पांच महीनों में कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमत में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। फरवरी में कमर्शियल एलपीजी की कीमत में 49 रुपये की बढ़ोतरी की गई थी। इसके बाद मार्च में 115 रुपये की एक और वृद्धि हुई। अप्रैल में 993 रुपये प्रति सिलेंडर की सबसे बड़ी बढ़ोतरी की गई थी। इसके बाद 1 जून से दरों में एक बार फिर बदलाव किया गया। बताया गया कि ईंधन और परिवहन लागत बढ़ने के कारण कीमतों में इजाफा किया गया। तेल मार्केटिंग कंपनियों ने 5 किलो वाले फ्री ट्रेड एलपीजी (एफटीएल) सिलेंडरों की कीमत में भी 11 रुपये की बढ़ोतरी की थी। बीते दिनों दिल्ली और आसपास के इलाकों में कंप्रेस्ड नेचुरल गैस (सीएनजी) की कीमत में भी 2 रुपये प्रति किलोग्राम की वृद्धि की गई थी। 15 मई से सीएनजी की कीमतों में चार अलग-अलग संशोधनों के जरिए कुल 6 रुपये प्रति किलोग्राम की बढ़ोतरी की गई। 19 मई को पेट्रोल 86 पैसे प्रति लीटर और डीजल 83 पैसे प्रति लीटर महंगा किया गया था। इस बदलाव के बाद राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में पेट्रोल की कीमत 98.64 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत 91.58 रुपये प्रति लीटर हो गई थी। इससे पहले 15 मई को भी ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी की गई थी।

होर्मुज संकट के बाद बढ़ीं अंतरराष्ट्रीय कीमतें

पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के अनुसार, फरवरी से सऊदी अरामको की एलपीजी कॉन्ट्रैक्ट प्राइस में करीब 46 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इसका मुख्य कारण होर्मुज जलडमरूमध्य में आई बाधाएं और मिडिल ईस्ट गल्फ क्षेत्र से निर्यात पर बढ़ी सख्ती है। फरवरी में प्रोपेन और ब्यूटेन के 50:50 मिश्रण का ब्लेंडेड सऊदी सीपी542.50 डॉलर प्रति टन था, जो अप्रैल में बढ़कर 775 डॉलर प्रति टन और जून में 790 डॉलर प्रति टन पहुंच गया। इसी अवधि में प्रोपेन की कीमत में 39 प्रतिशत तथा ब्यूटेन की कीमत में 52 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।

एलपीजी कीमतों में बढ़ोत्तरी पर खरगे का केंद्र पर हमला बोले- बढ़ती महंगाई ने बिगाड़ा आम जनता का बजट

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में हालिया बढ़ोत्तरी को लेकर केंद्र सरकार और भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधा है। उन्होंने आरोप लगाया कि रसोई गैस के लगातार बढ़ते दामों ने आम लोगों, खासकर गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों की आर्थिक परेशानियों को बढ़ा दिया है। महंगाई के कारण घरेलू बजट पर अतिरिक्त दबाव पड़ रहा है और आम उपभोक्ताओं की रसोई का खर्च लगातार बढ़ता जा रहा है। रविवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर जारी बयान में खरगे ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के उस दावे का उल्लेख किया,जिसमें उन्होंने संसद में पश्चिम एशिया में संघर्ष जैसी परिस्थितियों के बावजूद 41 देशों से ईंधन आपूर्ति के विविधीकरण की बात कही थी। कांग्रेस अध्यक्ष ने सवाल उठाया कि यदि सरकार ने ऊर्जा आपूर्ति के इतने व्यापक विकल्प विकसित कर लिए हैं,तो ग्रामीण क्षेत्रों में आज भी एलपीजी की उपलब्धता और उपभोग को लेकर समस्याएं क्यों बनी हुई हैं। खरगे ने दावा किया कि पिछले चार महीनों में घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमत में 89 रुपये की वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि बढ़ती महंगाई के बीच रसोई गैस की कीमतों में लगातार इजाफा परिवारों के मासिक खर्च को गंभीर रूप से प्रभावित कर रहा है और इसका सबसे अधिक असर निम्न एवं मध्यम आय वर्ग पर पड़ रहा है। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना का उल्लेख करते हुए कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 में योजना के 5.56 करोड़ लाभार्थी परिवारों ने केवल एक या उससे कम बार गैस सिलेंडर रिफिल कराया। उन्होंने दावा किया कि इनमें से लगभग 3.30 करोड़ परिवार ऐसे हैं जिन्होंने एक भी सिलेंडर रिफिल नहीं कराया।

गुजरात के सूरत में ईटीपी प्लांट की टंकी में उतरे 4 सफाई कर्मियों की मौत

सूरत,07 जून 2026। गुजरात के सूरत शहर के खांड बाजार क्षेत्र में रविवार सुबह दर्दनाक हादसा हो गया। यहां की चौर्यासी डेयरी के पास स्थित रतिह ज्वेलर्स में अंडरग्राउंड ईटीपी(इफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट) की टंकी की सफाई करने उतरे चार श्रमिकों की जहरीली गैस की चपेट में आने से मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और युद्धस्तर पर रेस्क्यू ऑपरेशन चलाकर चारों श्रमिकों को बाहर निकाला। उन्हें तत्काल उपचार के लिए स्मीमेर अस्पताल पहुंचाया गया,जहां डॉक्टरों ने चारों को मृत घोषित कर दिया। मृतकों की पहचान निमेष विठ्ठलभाई सावलिया (26 वर्ष) सुपरवाइजर,विकास कुमार संतोषभाई सोनावणे (24 वर्ष),विजय भीखाभाई आहिरे (24 वर्ष),योगेश नानाभाई जादव के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि सबसे पहले योगेश टैंक की सफाई के लिए अंदर उतरा था। उसके फंसने पर उसे बचाने के लिए विकास और विजय नीचे गया, लेकिन वे भी जहरीली गैस की चपेट में आ गए। इसके बाद सुपरवाइजर निमेष सावलिया ने फायर विभाग को सूचना दी और खुद भी बचाव के लिए टंकी में उतरे, जहां वे भी बेहोश हो गए। इस तरह चारों की मौत हो गई।

सुरक्षा उपकरण नहीं मिले : फायर अधिकारी

वराछा जोन-ए के डिविजनल फायर ऑफिसर रणजीतसिंह खड़िया ने बताया कि सुबह 10:22 बजे कंट्रोल रूम से सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति पानी के गड्ढे में गिर गया है। मौके पर पहुंचने पर पता चला कि रतिह ज्वेलर्स के ETP प्लांट में चार लोग फंसे हुए हैं। उन्होंने बताया कि किसी भी श्रमिक ने पीपीई किट या अन्य सुरक्षा उपकरण नहीं पहने थे। आसपास भी सुरक्षा उपकरण नहीं मिले। प्रथम दृष्टया यह गंभीर लापरवाही का मामला प्रतीत होता है, हालांकि वास्तविक स्थिति जांच के बाद ही स्पष्ट होगी।

गैस से दम घुटने की आशंका...

सूरत डीसीपी आलोक कुमार ने बताया कि ज्वेलरी प्रोसेसिंग के दौरान निकलने वाले अपशिष्ट को एकत्र करने के लिए यह टंकी बनाई गई थी, जिसकी नियमित सफाई हर दो महीने में की जाती है। सुबह सफाई के दौरान टंकी में मौजूद जहरीली गैस या ऑक्सीजन की कमी के कारण चारों श्रमिक बेहोश हो गए। प्राथमिक तौर पर सुरक्षा मानकों की अनदेखी और आवश्यक सुरक्षा उपकरणों के अभाव की चर्चा है। पुलिस तथा संबंधित विभागों ने मामले की जांच शुरू कर दी है। जांच के बाद ही हादसे के वास्तविक कारणों और जिम्मेदारों की पुष्टि हो सकेगी। डिप्टी फायर ऑफिसर प्रकाश इडावे ने बताया कि सूचना मिलने के बाद फायर टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए चारों को बाहर निकाला और 108 एम्बुलेंस के माध्यम से अस्पताल पहुंचाया। हालांकि अस्पताल में डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

661 करोड़ रुपए के सरकारी फंड घोटाले में सीबीआई की छापेमारी,अधिकारियों की मिलीभगत के मिले सबूत...

नई दिल्ली,07 जून 2026। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने आईडीएफसी फर्स्ट बैंक और एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक से जुड़े सरकारी फंड के गबन के मामले में बड़ी कार्रवाई की है। एजेंसी ने दिल्ली-एनसीआर समेत छह जगहों पर छापे मारे। जांच के दौरान ऐसे सबूत मिले हैं, जिनसे पता चलता है कि सरकारी अधिकारियों ने बैंक अधिकारियों के साथ मिलकर अकाउंट खुलवाने,फंड ट्रांसफर करने और बाद में उसे दूसरी जगह भेजने में मदद की थी। तलाशी अभियान चंडीगढ़, पंचकूला और दिल्ली-एनसीआर स्थित परिसरों में चलाया गया। इसमें हरियाणा कैडर के सीनियर सरकारी अधिकारियों और विपम कंसल्टेंसी प्राइवेट लिमिटेड और उसके डायरेक्टर के घर और ऑफिस शामिल थे। सीबीआई के अनुसार, जांच में सामने आया है कि कुछ सरकारी अधिकारियों ने बैंक अधिकारियों के साथ मिलीभगत कर खातों के खुलवाने,धनराशि के हस्तांतरण और बाद में उसके दुरुपयोग में सहायता की। आरोप है कि उन्हें इस मदद और कार्रवाई न करने के बदले गलत तरीके से फायदा मिला। पता चला कि नोएडा की विपम कंसल्टेंसी प्राइवेट लिमिटेड को अपराध से मिली रकम अपने अकाउंट में मिली थी, जिसे बाद में डायरेक्टर के पर्सनल अकाउंट में ट्रांसफर कर दिया गया। तलाशी के दौरान आपत्तिजनक दस्तावेज, डिजिटल डिवाइस,प्रॉपर्टी के कागजात और दूसरी जरूरी चीजें जब्त की गईं। सीबीआई ने यह जांच हरियाणा राज्य सतर्कता व भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) से प्राप्त एक मामले व चंडीगढ़ आर्थिक अपराध थाना में मूल रूप से दर्ज दो मामलों को अपने हाथ में लेने के बाद शुरू की थी। ये मामले आपराधिक साजिश, सरकारी धन के गबन व बैंक अधिकारियों और लोक सेवकों की मिलीभगत से किए गए अन्य अपराधों से संबंधित हैं।

इस घोटाले से हरियाणा सरकार के 8 विभागों और चंडीगढ़ प्रशासन के 2 विभागों को प्रभावित होना पड़ा, जिसके परिणामस्वरूप लगभग 661 करोड़ रुपए के सरकारी धन का गबन हुआ। शुरुआती जांच पूरी करने के बाद,सीबीआई ने पंचकूला की सीबीआई कोर्ट में पहली चार्जशीट दाखिल की। इसमें दो विभागों- हरियाणा पावर जेनरेशन कॉर्पोरेशन लिमिटेड और हरियाणा स्कूल शिक्षा परियोजना परिषद (हरियाणा सरकार)- के सरकारी अधिकारियों की भूमिका का विवरण दिया गया है। चार्जशीट में उस तरीके के बारे में भी बताया गया है जिससे आईडीएफसी फर्स्ट बैंक और एयू फाइनेंस बैंक में रखे हरियाणा सरकार के फंड को धोखाधड़ी से निकाला गया था। तीनों मामलों में जांच तेजी से चल रही है और इसमें शामिल पाए गए सभी लोगों के खिलाफ आगे की कार्रवाई की जा रही है।

भारतीय बाजारों में आएंगे प्लास्टिक के नोट! छपाई से पहले आरबीआई का आया बड़ा बयान

नई दिल्ली,07 जून 2026। भारतीय रिजर्व बैंक पॉलिमर यानी प्लास्टिक मुद्रा नोटों को शुरू करने के प्रस्ताव पर विचार कर रहा है, लेकिन इस संबंध में अभी कोई अंतिम फैसला नहीं लिया गया है। यह जानकारी आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने दी। मल्होत्रा ने कहा कि यह प्रस्ताव अभी विचाराधीन है और फिलहाल शुरुआती चरण में है। उन्होंने कहा कि जहां तक पॉलिमर नोटों का सवाल है, यह प्रस्ताव विचाराधीन है। जैसे ही इस पर कोई फैसला लिया जाएगा, इसकी जानकारी सार्वजनिक की जाएगी। संजय मल्होत्रा ने स्वीकार किया कि हाल में पॉलिमर नोटों को लेकर जो खबरें सामने आई हैं, उनमें कुछ सच्चाई है। हालांकि उन्होंने स्पष्ट किया कि केंद्रीय बैंक अभी तक किसी अंतिम निष्कर्ष पर नहीं पहुंचा है। उन्होंने कहा, 'हम इसके फायदे और नुकसान दोनों का अध्ययन कर रहे हैं और यह भी देख रहे हैं कि इसे लागू करना कितना लाभदायक होगा। फिलहाल यह प्रक्रिया शुरुआती स्तर पर है। 'आरबीआई गवर्नर ने बताया कि केंद्रीय बैंक फिलहाल पॉलिमर मुद्रा के संभावित लाभों और उससे जुड़ी चुनौतियों का मूल्यांकन कर रहा है। इसके बाद ही यह तय किया जाएगा कि देश में प्लास्टिक नोटों को लागू किया जाए या नहीं।

दिल्ली में प्रोफेसर की हत्या के मामले में पुलिस ने बंगाल के दंपति को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली,07 जून 2026। दिल्ली पुलिस को दिल्ली विश्वविद्यालय के शिवाजी कॉलेज में सहायक प्रोफेसर देबोस्मिता पॉल की हत्या के मामले में बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने इस मामले में पश्चिम बंगाल के एक दंपति को गिरफ्तार किया गया है। यह दंपति संपत्ति विवाद के चलते पॉल की हत्या की वारदात को अंजाम देने के लिए बर्धमान से लगभग 1,400 किलोमीटर की यात्रा करके आए थे। पॉल गत 3 जून को वसुधरा एन्क्लेव स्थित सत्यम अपार्टमेंट्स में मृत मिली थीं। शिवाजी कॉलेज में सहायक प्रोफेसर पॉल साल 2022 में अपने पति से अलग होने के बाद से सत्यम अपार्टमेंट्स स्थित अपने फ्लैट में अकेली रहती थीं। उनके पति अब बेंगलुरु में रहते हैं। पुलिस जांच में पता चला कि बुधवार को दोपहर करीब 3:20 बजे 2 नकाबपोश व्यक्ति पॉल के घर में घुसे थे और लगभग आधे घंटे बाद बाहर निकल गए। उसके आधार पर ही पुलिस ने छानबीन करते हुए दंपति को दबोचा है। पुलिस को घर में लूटपाट का कोई सबूत नहीं मिला क्योंकि गहने और नकदी को छुआ तक नहीं गया था। जबरन घुसने का भी कोई निशान नहीं था, जिससे संकेत मिलता है कि पॉल ने शायद अपने हत्यारों को अंदर आने दिया होगा। संदिग्धों को छोडने वाले टैक्सी के चालक से भी पुलिस पूछताछ कर रही है। इससे इस हत्या में शामिल अन्य लोगों का भी पता लगाया जा सकेगा। पुलिस अब दंपति से पूछताछ कर रही है।

विपक्षी गठबंधन की बैठक में 23 दल होंगे शामिल,8 जून को नई दिल्ली में बैठक

नई दिल्ली,07 जून 2026। कांग्रेस महासचिव (संचार) जयराम रमेश ने कहा कि विपक्षी इंडी गठबंधन की 8 जून को नई दिल्ली में होने वाली बैठक में 23 राजनीतिक दलों ने भाग लेने की पुष्टि की है। यह बैठक दोपहर 12 बजे कॉन्स्टीट्यूशन क्लब में आयोजित की जाएगी। जयराम रमेश ने रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर कहा कि इंडी गठबंधन (इंडिया जनबंधन) के कुछ दल अलग-अलग कारणों से इस विशेष बैठक में शामिल होने में असमर्थता जता चुके हैं। हालांकि,उन्होंने भी केंद्र सरकार की उन नीतियों और कार्रवाइयों का विरोध किया है,जो लाखों भारतीयों के मताधिकार को प्रभावित कर रही हैं,संविधान पर हमला कर रही हैं और जांच एजेंसियों के माध्यम से विपक्षी नेताओं को निशाना बना रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार की नीतियों से करोड़ों लोगों की रोजी-रोटी प्रभावित हो रही है। लगातार बढ़ती महंगाई घरेलू बजट पर असर डाल रही है।

दिग्विजय सिंह ने प्रधानमंत्री को लिखा पत्र,सीबीएसई में कक्षा 9-10 के लिए तीसरी भाषा लागू करने पर रोक की मांग...

नई दिल्ली,07 जून 2026। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और शिक्षा, महिला,बाल,युवा एवं खेल संबंधी संसदीय स्थायी समिति के अध्यक्ष दिग्विजय सिंह ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर सीबीएसई के कक्षा 9 और 10 के विद्यार्थियों के लिए तीसरी भाषा को अनिवार्य रूप से लागू करने के निर्णय पर तत्काल रोक लगाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि यह फैसला न केवल बिना पर्याप्त तैयारी के लिया गया है बल्कि सीबीएसई की संचालन परिषद के पूर्व निर्णय के भी विपरीत है। कांग्रेस महासचिव (संचार) जयराम रमेश ने रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफार्म

एक्स पर दिग्विजय सिंह का पत्र साझा करते हुए कहा कि कक्षा 9 और 10 के पाठ्यक्रम में तीसरी भाषा को मनमाने और बिना योजना के शामिल किया जा रहा है। यह सीबीएसई संचालन परिषद के अपने निर्णय और शैक्षणिक नियोजन के स्थापित मानकों के विपरीत है। प्रधानमंत्री को लिखे पत्र में दिग्विजय सिंह ने कहा कि उन्हें सीबीएसई के कक्षा 9 के विद्यार्थियों के अभिभावकों के एक समूह की ओर से ज्ञापन प्राप्त हुआ है, जिसमें सत्र के बीच में तीन-भाषा नीति लागू करने का विरोध किया गया है। उन्होंने अभिभावकों की चिंताओं को वास्तविक बताते हुए इस विषय पर तत्काल हस्तक्षेप की आवश्यकता जताई। दिग्विजय सिंह ने कहा कि सीबीएसई की संचालन परिषद ने दिसंबर 2025 की बैठक में पाठ्यचर्या समिति की उस सिफारिश को मंजूरी दी थी, जिसमें कहा गया था कि भाषाओं के ग्रेडेड पाठ्य पुस्तकें उपलब्ध होने तक वर्तमान भाषा व्यवस्था जारी रखी जाए। इसके बावजूद सीबीएसई ने 15 मई को जारी परिपत्र में 1 जुलाई से कक्षा 9 में तीसरी भाषा लागू करने के निर्देश दे दिए। उन्होंने कहा कि एनसीईआरटी ने अभी तक संबंधित भाषाओं की ग्रेडेड पाठ्य पुस्तकें जारी नहीं की हैं और सीबीएसई फिलहाल कक्षा 6 की पुस्तकों के उपयोग की सिफारिश कर रहा है।

इससे हजारों विद्यालयों की शैक्षणिक योजना प्रभावित होने की आशंका है। पत्र में दिग्विजय सिंह ने दक्षिण और पूर्वोत्तर राज्यों की विशेष परिस्थितियों का भी उल्लेख भी किया।

भारत-इंडोनेशिया संयुक्त आयोग बैठक : विदेश मंत्रियों ने की व्यापक रणनीतिक साझेदारी की समीक्षा

नई दिल्ली,07 जून 2026। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने रविवार को नई दिल्ली में इंडोनेशिया के विदेश मंत्री सुगियोनो के साथ 8वीं भारत-इंडोनेशिया संयुक्त आयोग बैठक (जेसीएम) की सह-अध्यक्षता की। विदेश मंत्रालय के अनुसार दोनों मंत्रियों ने भारत-इंडोनेशिया व्यापक रण नीतिक साझेदारी के तहत द्विपक्षीय संबंधों के सभी पहलुओं की समीक्षा की। साथ ही, उन्होंने राजनीतिक,रक्षा और सुरक्षा, समुद्री, व्यापार और निवेश, फार्मा और स्वास्थ्य सेवा,डिजिटल,ऊर्जा, कनेक्टिविटी,अंतरिक्ष,शिक्षा, कांसुलर और सांस्कृतिक क्षेत्रों तथा

लोगों के बीच आपसी आदान-प्रदान में सहयोग को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की। मंत्रियों ने इस बात पर गौर किया कि राष्ट्रपति प्राबोवो सुबियांतो और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बीच हुई बातचीत ने द्विपक्षीय संबंधों को नई गति प्रदान की है। दोनों पक्षों ने आपसी हित के क्षेत्रीय और वैश्विक घटनाक्रमों पर विचारों का आदान-प्रदान किया और क्षेत्रीय तथा बहुपक्षीय मंचों पर करीबी सहयोग और समन्वय के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

गंगटोक से सिलीगुड़ी जाते समय तीस्ता नदी में गिरी कार परिवार के 4 सदस्यों की मौत

कालिमपोंग,07 जून 2026। सिक्किम से सिलीगुड़ी जाते समय एक परिवार के चार सदस्यों के रहस्यमय हालात में लापता होने की घटना के सिलसिले में बचाव अभियान दल को चार शव मिले हैं। शनिवार को दिन भर चली तलाशी के बाद उनकी गाड़ी के कुछ हिस्से तो मिल गए,लेकिन उस समय कोई शव नहीं मिला। रविवार सुबह गाड़ी और चारों लोगों के शव बरामद कर लिए गए। पुलिस सूत्रों के मुताबिक सिक्किम का यह परिवार इलाज करा रहे रिश्तेदारों से मिलने के लिए काली टाटा नेक्सन कार से गंगटोक से सिलीगुड़ी जा रहा था।

एयरपोर्ट पर पकड़ाया 5 करोड़ का सोना,7 जने गिरफ्तार...

मुंबई,07 जून 2026। डीआरआई ने बड़ी कार्रवाई करते हुए मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर इंटरनेशनल सोना तस्करी गिरोह का पर्दाफाश किया है। इस पूरे खेल में चौंकाने वाली बात यह है कि एयरपोर्ट के अपने ही कर्मचारी इस तस्करी में शामिल थे। राजस्व खुफिया निदेशालय यानी डीआरआई को पहले से ही इस बात की भनक लग गई थी। खबर थी कि बैंकॉक से आने वाले कुछ विदेशी यात्री भारत के रास्ते सोना तस्करी कर रहे हैं। इस सूचना के बाद डीआरआई की टीम ने एयरपोर्ट पर जाल बिछाया। टीम की नजरें हर आने-जाने वाले पर टिकी थीं। फिर वही हुआ जिसका डर था। डीआरआई ने जब तीन ट्रांजिट यात्रियों को रोका, तो उनके पास से भारी मात्रा में सोना मिला। इनमें एक बांग्लादेशी और दो श्रीलंकाई नागरिक शामिल हैं। इन्होंने करीब 3.2 किलोग्राम 24 कैरेट सोना वैक्स फॉर्म (धूल के रूप में) अपने शरीर के भीतर छिपा रखा था। पकड़े गए सोने की बाजार में कीमत करीब 5 करोड़ रुपये बताई जा रही है। यह कोई छोटा नेटवर्क नहीं है।

विदेशी प्रभाव और डिजिटल राजनीति... नितिन नवीन ने सीजेपी आंदोलन को लेकर युवाओं को किया आगाह

नई दिल्ली,07 जून 2026। दिल्ली के जंतर-मंतर पर 'कॉकरोच जनता पार्टी' के बड़े प्रदर्शन को लेकर राजनीतिक गलियारों में हलचल तेज हो गई है। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने इस आंदोलन पर अपनी तीखी प्रतिक्रिया दी है। रांची में मीडिया से बातचीत करते हुए उन्होंने इंटरनेट और डिजिटल माध्यमों के गलत इस्तेमाल पर गहरी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि देश के नौजवानों को विदेशी धरती से प्रभावित करके नकारात्मक राजनीति की तरफ धकेलने की कोई भी कोशिश बर्दाश्त नहीं की जाएगी। नितिन नवीन ने कहा कि आज भारत का युवा अपनी कड़ी मेहनत, काबिलियत और सकारात्मक सोच के बल पर देश को विकास के रास्ते पर आगे ले जा रहा है। लेकिन कुछ लोग डिजिटल प्लेटफॉर्म्स का सहारा लेकर युवाओं के बीच जानबूझकर भ्रम फैला रहे हैं और उन्हें गलत रास्ते पर ले जाने का प्रयास कर रहे हैं।

संपादकीय

अवैध और अनियोजित निर्माण की बीमारी

देश की राजधानी में कुछ दिनों पहले अवैध रूप से बन रही एक इमारत गिरी,जिसमें छह लोगों की मृत्यु हो गई। इसके बाद अवैध तरीके से बनाए और संचालित किए जा रहे एक होटल में आग लगने से 21 लोगों की मौत हो गई। अपने देश में सरकारी तंत्र और अवैध निर्माण करने वालों की मिलीभगत से इस तरह की घटनाओं में जिस तरह जान-माल का नुकसान होता है,उसकी मिसाल मिलना बहुत मुश्किल है। यह सिलसिला पिछले कई दशकों से चला आ रहा है,पर सुधार की कोई गुंजाइश नहीं दिखती। राजधानी सहित पूरे देश में नगर निकायों के नाकारापन से लोग अवैध तरीके से घर,होटल आदि बनाते रहते हैं। जब मानकों की अनदेखी करके अवैध-अनियोजित निर्माण होते हैं तो उनके गिरने के साथ-साथ अथवा उनमें सुरक्षा मानकों की अवहेलना के कारण आग लगने की घटनाएं होना स्वाभाविक है।

ज्यादातर मामलों में अवैध निर्माण कराने वाले अपनी कोई नैतिक जिम्मेदारी समझते नहीं। इसलिए और भी नहीं, क्योंकि उन्हें कानून का डर नहीं। अपने देश में नियम-कानूनों की जैसी अनदेखी होती है,वह शायद ही कहीं और देखने को मिलती हो। देश में नियम-कानूनों के साथ अनुशासन और जिम्मेदारी का परिचय देने से भी इन्कार किया जाता है। औसत लोग एक नागरिक की अपनी जिम्मेदारी समझने को तैयार नहीं होते, वही स्थिति सरकारी तंत्र के लोगों की भी है। नगर निकायों और शहरीकरण की निगरानी एवं नियमन करने वाले अधिकारियों का हाल शायद सबसे बुरा है। वे तमाम लापरवाही और भ्रष्टाचार के बाद भी ऐसी सजा नहीं पाते, जो नजीर बन सके।

नगर निकायों की लापरवाही के चलते अनियोजित निर्माण केवल शहरों के पुराने इलाकों के साथ उन ग्रामीण क्षेत्रों में ही नहीं हो रहा है,जो समय के साथ शहरीकरण के दायरे में आ गए। अब तो यह विकास प्राधिकरणों की ओर से बसाए गए नए इलाकों में भी हो रहा है। कहीं लोग घरों को तोड़कर फ्लैट बना रहे हैं तो कहीं दुकानें और अन्य व्यासायिक भवन। ऐसे निर्माण में भवन निर्माण संबंधी मानकों के साथ सुरक्षा उपायों और खासकर आग से बचाव के उपायों की परवाह नहीं की जाती। जब शहरों के पुराने या फिर ग्रामीण इलाकों में जर्जर भवनों में अतिरिक्त अवैध निर्माण होता है तो उनके गिरने का खतरा अधिक रहता है। आम तौर पर जब यह अवैध निर्माण हो रहा होता है तो उसे रोकने के लिए जिम्मेदार नगर निकायों के अधिकारी-कर्मचारी कोई कदम नहीं उठाते। ज्यादातर मामलों में वे पैसे लेकर अवैध निर्माण होने देते हैं। वे इसकी चिंता नहीं करते कि इससे क्षेत्र विशेष में आबादी का दबाव बढ़ेगा अथवा व्यावसायिक गतिविधियां संचालित होने से भीड़-भाड़ और प्रदूषण के साथ गंदगी बढ़ेगी तथा नागरिक सुविधाओं का अभाव बढ़ेगा।

कहने को तो शहरीकरण को लेकर हर तरह के नियम-कानून बने हुए हैं, लेकिन उनका उल्लंघन ही अधिक होता है। इस उल्लंघन का एक बड़ा कारण नगर निकायों के जनप्रतिनिधियों के साथ अन्य नेताओं की ओर से केवल अपने वोट बैंक को प्राथमिकता देना है। कई बार तो वे खुद ही अवैध निर्माण में सहयोग करते हैं और इसकी भी कोशिश करते हैं कि अवैध रूप से बसाई गईं बस्तियों का नियमितीकरण कर दिया जाए। सरकारें भी वोट बैंक के लोभ में ऐसा कर देती हैं। जब ऐसा होता है तो ऐसी बस्तियों में और अधिक अवैध निर्माण एवं अतिक्रमण होने लगता है।आज कोई भी राजनीतिक दल अवैध-अनियोजित निर्माण को रोकने के लिए गंभीर नहीं। इसी कारण शहरों की सूरत बिगड़ती जा रही है और उनमें नागरिक सुविधाओं का अभाव बढ़ रहा है। चूंकि रिहायशी अथवा व्यावसायिक इमारतों में अवैध निर्माण के बाद भी सरकारी एजेंसियां कोई ठोस कार्रवाई नहीं करतीं, इसलिए उनके गिरने या उनमें आग लगने की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। दिल्ली में ही पिछले कुछ माह में घरों, होटलों और कारखानों में आग लगने के कारण मरने और घायल होने वालों की संख्या बढ़ी है।

एक आंकड़े के अनुसार बीते पांच माह में दिल्ली में आग लगने की अलग-अलग घटनाओं में करीब 45 लोगों की जान गई है। अनेक घटनाओं में यह भी सामने आया कि कोई भवन गिरने या आग लगने पर बचाव कर्मियों को अतिक्रमण के चलते घटनास्थल पर पहुंचने में देरी हुई। इस देरी के चलते कई ऐसे लोगों की जान गई, जिन्हें बचाया जा सकता था। अवैध निर्माण की तरह से गलियों से लेकर मुख्य सड़कों तक में अतिक्रमण भी अपने देश की एक बड़ी समस्या है।

पिछले कुछ समय से देशवासियों को यह सपना दिखाई जा रहा है कि अगले लगभग 25 वर्षों यानी 2047 तक देश को विकसित राष्ट्र बनाने का लक्ष्य पूरा कर लिया जाएगा,लेकिन विकसित राष्ट्र सिर्फ आर्थिक मजबूती से नहीं बनता और न ही कुछ क्षेत्रों में विकसित राष्टों के पैमानों के हिसाब से प्रगति करने से। भारत विकसित राष्ट्र तब बनेगा,जब सरकारी एजेंसियां और देश के नागरिक नियम-कानूनों का पालन करेंगे। दुर्भाग्य से अपने देश में हर काम के लिए शार्ट कट खोज लिए गए हैं।एक समस्या यह भी है कि देश में किसी भी तरीके का जो सार्वजनिक निर्माण हो रहा है,उसकी गुणवत्ता बहुत खराब होती जा रही है। चूंकि निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर ध्यान नहीं दिया जाता,इसलिए इंजीनियरों और ठेकेदारों को गुणवत्तापरक काम करने की आदत ही नहीं रह गई। जब भी घटिया निर्माण या फिर सुरक्षा उपायों की अनदेखी के कारण जान-माल की हानि होती है, तब मरने वालों के परिवार वालों को मुआवजा देने की घोषणा कर जांच बैठा दी जाती है। फिर सालों तक मुकदमे चलते रहते हैं और जो लोग हादसों के लिए जिम्मेदार होते हैं, वे यदि गिरफ्तार भी होते हैं तो जमानत पर बाहर आ जाते हैं। इसी कारण सब कुछ पहले की तरह होता रहता है और कहीं कोई बुनियादी सुधार नहीं हो रहा है। ज्यादातर मामलों में लोग हादसों को भूल जाते हैं और जांच रपटें धूल फांकती रहती हैं। बार-बार एक जैसे कारणों से हादसे होना सरकारी तंत्र की नाकामी और उसकी कमजोर इच्छाशक्ति का ही परिचायक है। इस कमजोरी के कारण ही प्रशासनिक तंत्र में भ्रष्टाचार व्याप्त है, जो समस्याएं बढ़ा रहा है।

किधर जाएं बेचारे बूढ़े मां-बाप

प्रो.शामलाल कौशल
रोहतक,हरियाणा

हमारे शास्त्रों में माता-पिता को परमात्मा से भी ऊपर का दर्जा दिया गया है। कोई जमाना था जब लोग श्री रामचंद्र जी द्वारा पिता दशरथ की आज्ञा मानकर 14 वर्ष बनवास जाने की बात कह कर गर्व महसूस किया करते थे। और वह भी क्या जमाना था जब श्रवण कुमार द्वारा अपने अंधे माता-पिता को कावड़ में बिठाकर तीर्थ स्थानों की यात्रा की कहानी सुना कर माता-पिता को समर्पित होने के बात कहा करते थे। लेकिन दोस्तों आजकल घोर कलयुग का जमाना आ गया है। कोई जमाना था जब घर का बुजुर्ग घर का मुखिया या बादशाह हुआ करता था। घर के सभी सदस्य उसके साम्राज्य की प्रजा हुआ करते थे। सबका ईमानदारी तथा निष्पक्षता से ध्यान रखना उसका फर्ज हुआ करता था। परिवार का कोई भी सदस्य उसके सामने सिर उठाकर ऊंची आवाज में बात करने की हिम्मत नहीं किया करता था। लेकिन इस किस्म की बातें तो आजकल इतिहास के पन्नों का हिस्सा बनकर रह गई है। जो मां बच्चों को 9 महीने अपने गर्भ में रखती है, जन्म देकर, पाल पोसकर तथा अच्छे संस्कार देकर तथा दुनिया की सारी बातें बता कर बड़ा करती है और जो पिता बच्चों को खुश करने के लिए घोड़ा बनकर,और उन्हें जीवन में ऊंचा उठने के लिए कठिन परिश्रम करता है, खुद फटे पुराने कपड़े पहनता है ताकि उनके बच्चे नए-नए तथा बढ़िया कपड़े पहन सके,बच्चों की खातिर वह उन लोगों के सामने भी नतमस्तक हो जाता है जिन्हें वह शायद देखना भी पसंद ना करें। पिता उधार लेकर अथवा जमीन जायदाद गिरवी रखकर बच्चों को उच्च शिक्षा देता है,उनकी नौकरी तथा विवाह शादी का बीड़ा उठाता है। लेकिन वाहे री किस्मत जिनके मां-बाप इतनी कुर्बानियां करके बुढ़ापे में उनके द्वारा बुढ़ापे में सेवा करवाने के सपने संजोते हैं वही बच्चे अपने मां-बाप से दूर कहीं नौकरी करने के लिए चले जाते हैं। कुछ बच्चे विदेशों में जाकर बस जाते हैं। शुरू शुरू में कभी-कभी टेलीफोन करते हैं और पैसे भी भेजते हैं फिर अचानक यह सिलसिला बिल्कुल बंद हो जाता है। बुढ़ापे में बच्चों से सेवा करवाने वाले मां-बाप अकेले घर की दीवारों को ही देखते रह जाते हैं। उनकी नज़रें और कान हमेशा बच्चों के आने की इंतजार करते रहते हैं। लेकिन बच्चे हैं विदेशों में या फिर दूर के बड़े शहरों में ऐश की जिंदगी व्यतीत करते हैं और कभी भी अपनी मां-बाप को याद नहीं करते, बात नहीं करते,मिलने नहीं आते। पूछा जा सकता है कि क्या मां बाप ने अपनी जवानी की सहुलते बच्चों के लिए इसलिए कुर्बान कर दी ताकि बच्चे उनको उस बुढ़ापे में अकेला छोड़ जाए जब उन्हें उनकी सबसे ज्यादा जरूरत थी। बूढी आंखें बच्चों को देखने और उनके द्वारा सेवा करवाने के लिए तरसती रहती हैं। विदेशों में रहने वाले बेटे अपने मां बाप के बीमार होने और मरने पर भी यह बहाना बनाकर नहीं आते कि छुट्टी नहीं मिलती। लेकिन जब मां बाप मर जाते हैं तब उनकी संपत्ति बेचकर पैसे इकट्ठे करने के लिए ऐसेकृतघ्न बच्चे जरूर आ जाते हैं। जो बच्चे पीछे अपने मां-बाप के साथ रहते हैं वो भी जोरू का गुलाम बनकर अपने मां बाप को बहुत परेशान करते हैं,जिस घर को मां-बाप ने

बनाया था उसके एक कोने में उनको फेंक देते हैं,उनकी सेवा नहीं करते, पेट भर खाना नहीं देते, बीमार होने पर दवा दारू नहीं देते,बच्चों को उनके पास नहीं आने देते, मां बाप घर के किसी मामले में दखल नहीं दे सकते,घर में होने वाला कोई काम उनसे पूछ कर नहीं किया जाता,बाहर से आने वाले मेहमानों को उनसे नहीं मिलने दिया जाता,बुजुर्गों की धन संपत्ति को हड़पने की कोशिश की जाती है,उनका अपमान,अवहेलना तथा तिरस्कार किया जाता है, उनको गालियां दी जाती हैं,उनके मरने की दुआएं की जाती हैं,कई बार उनके साथ हाथापाई भी की जाती है,ऐसे में बूढ़े मां-बाप भगवान से मौत मांगते हैं,परंतु क्या भगवान से मांगने पर हर चीज मिल जाती है। उन्हें बहुत बार वृद्ध आश्रम में भेज दिया जाता है,उनका हाल पूछने कभी कोई नहीं आता। ऐसे बेचारे बुजुर्ग मां बाप जाएं तो कहां जाएं। एक सर्वेक्षण के अनुसार अनपढ़ बेटे तो अपने बूढ़े मां-बाप को अपने साथ रखना ज्यादा पसंद करते हैं उनकी सेवा करके आशीर्वाद प्राप्त करते हैं परंतु वृद्ध आश्रम में रहने वाले बहुत सारे बुजुर्ग अमीर तथा धनाढ्य और पढ़े लिखे परिवारों से होते हैं। जो कृतघ्न बच्चे अपने बुजुर्ग माता-पिता का ऐसा हाल करते हैं उनको तो लानत है। ऐसे बेटे यह क्यों नहीं सोचते कि उनके मां-बाप उनके दादा-दादी के साथ जो दुर्व्यवहार कर रहे हैं उनके अपने बच्चे भी बड़े होकर अपने मां-बाप के साथ इससे भी बहुत ज्यादा बुरा बर्ताव करेंगे। लेकिन ऐसे बेटों को जवानी का अहंकार और कमाई हुई धन दौलत यह सब सोचने का अवसर ही नहीं देती। अगर हम चाहते हैं कि हमारे बुढ़ापे में हमारे बेटे श्रवण कुमार की तरह हमारी सेवा करें तो सबसे पहले जवान बेटों को स्वयं श्रवण कुमार बनकर अपने माता-पिता की सेवा करके दिखाना होगा तभी ही उनके बुढ़ापे में उनके बेटे आज्ञाकारी बनकर समर्पण भावना के साथ उनकी सेवा करेंगे। कैसी विडंबना है कि माता-पिता तो कठिनाइयां उठाकर तथा त्याग करके अपने बच्चों को बड़ा करते हैं और बच्चे उनकी सेवा करने के बदले में उनको दर दर की ठोकरे खाने के लिए मजबूर करते हैं। पश्चिमी देशों में अधिकांश माता-पिता यह पहले ही मान लेते हैं कि बड़े होकर उनकी संतान ने उनकी सेवा तो करनी ही नहीं इसलिए जैसे ही संतान अपने पैरों पर खड़ा होना सीख जाती है माता-पिता उनको घर से चलता कर देते हैं। बेशक मां-बाप ऐसा अपने दिल पर पत्थर रखकर करते होंगे लेकिन जब बच्चों ने बुढ़ापे में सेवा करनी ही नहीं फिर उनके जुल्मो सितम सहने तथा उन पर खर्च करने का क्या फायदा। आजकल के स्वार्थी,अहंकारी तथा बदतमीज बच्चों को अपने पास रखने के बदले में माता-पिता को अपने संतान के प्रति अपने व्यवहार बदलना पड़ेगा। आजकल कुछ प्राइवेट कंपनियां किराए के बेटे भी देने लगी है। यह बेटे कंपनियों द्वारा कुछ पैसे लेकर बुजुर्ग मां-बाप के पास उनके बेटों की तरह रहते हैं, सेवा करते हैं,प्यार करते हैं और उन्हें उनके बेटों की कमी महसूस नहीं होने देते। इससे बुजुर्गों का समय बहुत अच्छा कट जाता है। इसके बावजूद भी अपना खून तो अपना खून ही होता है। सरकार को प्रत्येक बेटे से यह है लिखवा लेना चाहिए कि वह अपनी-आमदनी का कुछ भाग अपने माता-पिता को हर महीने देता रहेगा,अगर वह बेटा मां बाप से दूर कहीं नौकरी करता है या व्यवसाय चलाता है तो समय-समय पर वह माता-पिता को टेलीफोन करता रहेगा और समय-समय पर उनका हाल-चाल पूछने भी आता रहेगा। भारत के संविधान के मुताबिक कोई भी बेटा अपने मां-बाप को उनकी धन संपत्ति बेटों के नाम करने के लिए मजबूर नहीं कर सकता। बुजुर्गों को भी चाहिए किअपनी जवानी के दिनों में ही अपने बुढ़ापे के लिए कुछ पैसे बचाकर रखना शुरू करें जो कि बुढ़ापे में उनके काम आएंगे। अपना स्वास्थ्य ठीक रखें और हम उम्र बुजुर्गों के साथ संपर्क बनाकर रखें,अपनी समस्याओं का आदान-प्रदान उनके साथ करके उन्हें निपटाने की कोशिश करें। बुढ़ापा है इसने तो सब पर आना है। क्यों ना कोई ऐसा तरीका ढूंढा जाए कि बुढ़ापा सुख चैन,शांति और बेटों के ऊपर आश्रित हुए बिना सुख से बीत जाए।

क्या पुतिन ने एक वाक्य में बदलती दुनिया का सच कह दिया?

रिश्तों की असली मुद्रा भरोसा होती है, रूस ने वही निवेश किया

रूस की आँखों में भारत: भरोसा, संतुलन और आने वाला भविष्य

इतिहास के कठिन दौर ही रिश्तों की असली परीक्षा लेते हैं। ऐसे समय में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का भारत को दुनिया के सबसे भरोसेमंद साझेदारों में से एक बताना महज़ कूटनीतिक वाक्य नहीं है। 4 जून 2026 को सेंट पीटर्सबर्ग में दिया गया उनका बयान ऐसे समय आया,जब यूक्रेन युद्ध के बाद दुनिया नए राजनीतिक खाँचों में बँटती दिख रही है। प्रतिबंधों से घिरा रूस अपने विश्वसनीय मित्रों को पहचान रहा है और भारत अपनी स्वतंत्र विदेश नीति से अलग सम्मान पा रहा है। पुतिन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की सराहना करते हुए भारत पर पश्चिमी दबाव को निष्फल और प्रतिकूल बताया। यह केवल मित्रता की प्रशंसा नहीं, बल्कि बदलती विश्व व्यवस्था में भारत के बढ़ते महत्व की स्वीकारोक्ति है।

अंतरराष्ट्रीय संबंधों में शब्द अक्सर परिस्थितियों का आईना होते हैं। पुतिन की भारत-प्रशंसा को भी इसी संदर्भ में पढ़ा जाना चाहिए। यूक्रेन संघर्ष के बाद रूस पश्चिमी प्रतिबंधों और राजनीतिक दबाव का सामना कर रहा है। ऐसे समय में भारत उन विरले देशों में रहा,जिसने अपने राष्ट्रीय हितों के अनुसार रूस से संबंध बनाए रखे। न उसने किसी दबाव के आगे झुकना स्वीकार किया,न अपनी विदेश नीति का मार्ग बदला। पुतिन भलीभांति समझते हैं कि भारत जैसा मित्र केवल आर्थिक सहयोगी नहीं,बल्कि कूटनीतिक संबल भी है। इसलिए उनका यह बयान प्रशंसा से अधिक उस विश्वास की अभिव्यक्ति है,जिस पर रूस भविष्य की अपनी रणनीति का एक महत्वपूर्ण आधार देखता है।

पुतिन के बयान का एक संभावित संकेत चीन की ओर भी है। रूस और चीन भले ही अटूट साझेदारी का दावा करें, लेकिन उनके संबंधों में रणनीतिक सतर्कता बनी रहती है। चीन की बढ़ती आर्थिक, तकनीकी और सैन्य शक्ति ने एशिया का शक्ति-संतुलन बदल दिया है। मॉस्को समझता है कि बीजिंग पर अत्यधिक निर्भरता उसकी स्वतंत्र भूमिका को सीमित कर सकती है। ऐसे में भारत के साथ मजबूत संबंध उसे संतुलन देते हैं। यही कारण है कि पुतिन ने ब्रह्मोस,रक्षा सहयोग और उन्नत सैन्य प्रौद्योगिकी साझेदारी का विशेष उल्लेख किया। इसे मुख्य रूप से चीन के विरुद्ध संदेश न मानकर,एशिया में शक्ति-संतुलन साधने की रूस की दीर्घकालिक कूटनीतिक रण नीति के रूप में देखा जाना चाहिए। भारत की विदेश नीति की सबसे बड़ी पहचान उसकी स्वतंत्रता है। यही कारण है कि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने भारत पर पड़ रहे अमेरिकी दबाव के बीच उसकी नीति की सराहना की। अमेरिका लंबे समय से रूस से जुड़े ऊर्जा और रक्षा संबंधों को लेकर भारत को अपने अधिक निकट लाने का प्रयास करता रहा है। इसके बावजूद नई दिल्ली ने स्पष्ट किया है कि उसके निर्णय राष्ट्रीय हितों से संचालित होंगे,किसी बाहरी दबाव से नहीं। पुतिन ने इसी आत्म विश्वास की प्रशंसा करते हुए कहा कि भारत जैसे उभरते राष्ट्र पर दबाव डालना उलटा पड़ सकता है। उनका संदेश केवल वाशिंगटन के लिए नहीं,बल्कि पूरी दुनिया के लिए था कि भारत अब अपनी राह स्वयं तय करने वाली शक्ति है।

आज भारत की सबसे बड़ी कूटनीतिक शक्ति उसका संतुलित और स्वतंत्र दृष्टिकोण है। भारत एक ओर रूस से ऊर्जा,रक्षा उपकरण और सामरिक सहयोग प्राप्त कर रहा है, तो दूसरी ओर अमेरिका के साथ तकनीक, निवेश और सुरक्षा साझेदारी भी मजबूत कर रहा है। चीन से प्रतिस्पर्धा के बावजूद व्यापारिक संबंध भी बने हुए हैं। यही संतुलन भारत को वैश्विक राजनीति में अलग पहचान देता है। पुतिन ने मोदी सरकार की आर्थिक उपलब्धियों और तेज विकास दर की सराहना करते हुए संकेत दिया कि भारत अब किसी शक्ति-गुट का अनुसरण करने वाला देश नहीं, बल्कि विश्व राजनीति का एक स्वतंत्र और प्रभावशाली शक्ति केंद्र बन चुका है। भारत-रूस संबंध अब केवल कूटनीति तक सीमित नहीं, बल्कि आर्थिक क्षेत्र में भी नई मजबूती हासिल कर रहे हैं। वित्तीय वर्ष 2024-25 में दोनों देशों का व्यापार लगभग 68.7 अरब डॉलर तक पहुंच गया,जिसमें रूसी तेल,गैस और कोयले की प्रमुख भूमिका रही। पुतिन द्वारा 100 अरब डॉलर के व्यापार लक्ष्य का उल्लेख इस बात का संकेत है कि रूस भारत को केवल मित्र नहीं,बल्कि दीर्घ कालिक आर्थिक साझेदार मानता है। ऊर्जा,अंतरिक्ष,परमाणु सहयोग, रक्षा उत्पादन और उन्नत प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में सहयोग लगातार विस्तार पा रहा है। वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के बीच दोनों देश एक-दूसरे की क्षमताओं को अपने विकास का महत्वपूर्ण आधार मान रहे हैं।

प्रो. आरके जैन
अरिजीत,बड़वानी मध्यप्रदेश

कॉकरोच जनता पार्टी का बिगुल जंतर मंतर का आंदोलन

केशी गुप्ता
द्वारका,नई दिल्ली

भारत एक लोकतांत्रिक राष्ट्र है। जिसमें जनता द्वारा चुने गए जनता के प्रतिनिधि जनता के लिए काम करते हैं। लोकतंत्र के अंतर्गत देश के प्रत्येक नागरिक को स्वतंत्र रूप से अभिव्यक्ति,अन्याय के विरुद्ध आवाज उठाने का अधिकार है। ये अधिकार और प्रणाली देश की जनता को सशक्त करती है । सुप्रीम कोर्ट के जज द्वारा की गई एक टिप्पणी ने युवा पीढ़ी को इस कदर झंझोड़ दिया कि इस पीढ़ी ने कॉकरोच जनता पार्टी का गठन कर लिया। देश की राजधानी दिल्ली,दिनांक 6 जुलाई 2026 ,कॉकरोच जनता पार्टी के निर्माता अभिजीत दीपके की देश वापसी और उसके नेतृत्व में किए जाने वाले आंदोलन को लेकर गरमाई देखी ।इस आंदोलन का हिस्सा सोनम वागचुक भी रहे। एक बड़ी तादात में जंतर मंतर पर इस आंदोलन का हिस्सा बनने के लिए देश के सभी राज्यों से लोग पहुंचे। नीट पेपर और अन्य कई मामले जो शिक्षा,परीक्षाओं से संबंधित है। उन सभी मामलों में हुई लापरवाही के एवज में यूनियन मिनिस्टर ऑफ एजुकेशन धर्म प्रधान से इस्तीफे की मांग की जा रही है। देश का युवा सरकार से लगातार लीक होते पेपर के कारण उन विद्यार्थियों के लिए न्याय की मांग कर रहे है जो निराशा के अन्धकार में डूब आत्महत्या जैसा कदम उठा रहे हैं। ये कहना गलत नहीं होगा कि कड़ी मेहनत और परिश्रम के बाद आज विद्यार्थियों,युवा पीढ़ी को अपना भविष्य सुरक्षित नहीं दिखता । वह देश के सिस्टम के प्रति उदासीन दिखाई पड़ते है। राजधानी दिल्ली के अतिरिक्त पानीपत तथा अन्य कई जगहों पर भी इस आंदोलन के सपोर्ट में युवा पीढ़ी की एकजुटता देखने को मिली। इतिहास गवाह है कि देश का असंतोष युवा तख्त पलटने की ताकत रखता है । कॉकरोच जनता पार्टी द्वारा किया गया कामयाब शांति पूर्ण आंदोलन देश के प्रतिनिधियों के लिए एक बिगुल है जिस की आवाज अब दूर दूर तक सुनाई दे रही है। कॉकरोच जनता पार्टी के प्रतिनिधि का कहना है कि यह आंदोलन एक शुरुआत है। आगे अब वह देश के समस्त राज्यों तक पहुंच युवा पीढ़ी और देश से जुड़ी समस्याओं के लिए आवाज उठाते रहेंगे।

आधुनिक दुनिया और इंसानियत की पुकार

मुस्कान केशरी
मुजफ्फरपुर,बिहार

कभी-कभी बैठकर मैं सोचती हूँ कि वक्त के साथ यह दुनिया कितनी बदल सी गई है। बाहर से देखें तो सब कुछ आधुनिक सा हो गया है – ऊँची इमारतें, तेज इंटरनेट,चाँद-मंगल तक पहुँचने के सपने। लेकिन इंसान के अंदर की सोच? वो अब भी पुरानी जंजीरों में जकड़ी हुई है,आज भी एक इंसान की पहचान जाति-धर्म,रंग-रूप, ऊंच-नीचे से किया जाता है। असल में तो हम सब की अलग ही एक कहानी है और हम सब अपना किरदार निभा रहे है। भूख, दर्द, सुख-दुःख का एहसास तो सभी को एक जैसा होता है तो फिर बांटना क्यों?, समझ नहीं आता। खैर हक़ीक़त तो ये है कि ये लेबल हम इंसानों ने बनाया है शायद इसलिए लोग इंसानियत ही भूलते जा रहे हैं और धोखे,भेदभाव और दिखावे से थककर वो जानवरों के पास सुकून ढूंढते है। कभी किसी जानवर से ये पूछते है कि तुम्हारा धर्म या जाति क्या है। नहीं ना, उनको हम इंसान प्यार करते हैं तो वो भी हमें प्यार देते हैं,हम नफ़रत करते है तो वो नफ़रत करते हैं। ठीक इसी प्रकार अगर बिना जाति-धर्म पूछे,आप स्नेह,प्यार, आर्शीवाद देते हैं तो निश्चित रूप से आपको भी प्यार,स्नेह,आर्शीवाद मिलेगा। सच कहा जाए तो आज भी अक्सर किसी की पहचान उसकी काबिलियत,मेहनत या दिल से नहीं,बल्कि उसकी जाति,धर्म,रंग या परिवार से तय होती है। कोई कितना भी हुनरमंद क्यों न हो,पहले उसका सरनेम पूछा जाता है। कोई कितना भी नेक दिल क्यों न हो,पहले उसका धर्म देखा जाता है। काला-गोरा,ऊँच-नीच,अपना-पराया–इन दीवारों ने हमें बाँट रखा है।शायद इसी वजह से इंसान अब इंसान से घबराने लगा है। सोचो,जिस दिन ये ऊँच-नीच का भेदभाव खत्म हो जाएगा, जिस दिन काला-गोरा सिर्फ रंग रह जाएगा,जिस दिन जाति-धर्म से पहले इंसान को इंसान समझा जाएगा–उस दिन हम सच में विकास के रास्ते पर होंगे। असली तरक्की तब होती है जब हर बच्चे को बराबर मौका मिले,जब मेहनत का फल सरनेम देखकर न बाँटा जाए। समाज सेवा भले आप ना करें लेकिन अपने अदंर की इंसानियत को हमेशा रखना चाहिए क्योंकि हमारे स्वभाव पर निर्भर करता है कि हमारे मरने के बाद लोग हमे याद करेगे या नहीं। ये सच्चाई है कि अंत में कुछ साथ नहीं जाता। न पैसा,न पद,न जाति का घमंड। आखिरी वक्त में बस यही काम आता है कि हम इंसान कैसे थे। किसी के आँसू पोंछे थे या नहीं, किसी के बुरे वक्त में साथ थे या नहीं? किसी को उठाया था या गिराया था? इसलिए दुनिया बदलने का इंतज़ार मत करो। बदलाव की शुरुआत खुद से करो। अगले इंसान को जज करने से पहले एक बार रुककर खुद के बारे में सोचो–क्या मैं उसे इंसान की तरह देख रहा हूँ? अगर हाँ,तो समझो तुम पहले ही एक अच्छे इंसान बनने के रास्ते पर हो और जब हम सब थोड़े-थोड़े अच्छे इंसान बन जाएंगे,तो दुनिया अपने आप खूबसूरत हो जाएगी।

अफ़साना,अफ़सर और पहाड़ी लड़की

डॉ. मुश्ताक़ अहमद शाह

शहर की उस बेदम कर देने वाली भाग-दौड़,कंक्रीट के बेजान जंगलों, मशीनी शोर और जिन्दगी की आपाधापी को पीछे छोड़ते हुए जब सरकारी गाड़ी घुमावदार पहाड़ी रास्तों पर धीरे-धीरे आगे बढ़ रही थी,तो उसे पहली बार यह शिद्दत से महसूस हुआ कि वो खुलकर सांस ले पा रहा है। फेफड़ों में उतरती वो ताज़ा ठंडी हवा सीधे रूह को छू रही थी। वो शहर की मसरूफ़ियतों से दूर,इस शांत और दूर-दराज़ के पहाड़ी गांव में एक फॉरेस्ट ऑफिसर बनकर आ रहा था। जैसे ही गाड़ी ने आख़िरी घुमावदार मोड़ काटा, सामने का नज़ारा किसी माहिर चित्रकार की कैनवास पर उकेरी गई मुकम्मल पेंटिंग जैसा था। ऊंचे-ऊंचे देवदार और सनोबर के दरख़्त आसमान को छूने की ज़िद में सर उठाए खड़े थे, मानो इस वादी के पहरेदार हों। पूरी घाटी में धुंध की एक मखमली चादर बिछी थी, जिसे चीरती हुई सूरज की अलसुबह की सुनहरी किरणें ज़मीन पर उतरकर हरियाली को चमका रही थीं। चारों तरफ़ फैली इस मखमली शदाबी और पहाड़ों की गम्भीर ख़ामोशी ने उसके दिल पर जैसे कोई गहरा जादुई असर कर दिया था। यहाँ के रहने वाले गांव के लोग बेहद सादा, सीधे और खुले दिल के थे,जिनके चेहरों पर एक निश्छल मुस्कान और आँखों में अजनबियों के लिए भी अपनापन और गहरा सम्मान था। शहर की चालाकियों,मक्कारियों और दिखावे से कोसों दूर,ये भोले-भाले लोग कुदरत के उतने ही करीब थे जितना कि वो घना जंगल।

उसे रहने के लिए जो ठिकाना महकमे की तरफ़ से मिला था,वो था पहाड़ी की ऊँची चोटी पर बना एक पुराना और आलीशान डाक बंगला। औपनिवेशिक दौर की यह ऐतिहासिक इमारत मज़बूत लकड़ी और तराशे गए पत्थरों से बनी थी, जिसके चारों तरफ़ देवदार का गहरा सन्नाटा और ठीक सामने गहरी सुरमई वादी का दिलकश नज़ारा था। शुरुआत में उसे लगा था कि शहर की चमक-दमक का रहने वाला एक नौजवान यहाँ इस वीराने में अकेला कैसे वक्त काटेगा, लेकिन कुछ ही दिनों में उसका दिल उस डाक बंगले और जंगल से ऐसा लगा कि वो शहर को मुकम्मल तौर पर भूल गया। सुबह की पहली चाय वो बंगले के विशाल बरामदे में बैठकर पीता,जहाँ वादी से उठने वाली ठंडी हवाएं उसके चेहरे को सहलाकर गुज़रतीं। परिंदों की चहचहाहट उसका सुबह का संगीत थी और रातों को आसमान में चमकते अनगिनत सितारे उसकी महफ़िल बन जाते। वो इस ख़ूब सूरत तन्हाई और कुदरती सुकून से बेहद ख़ुश था और उसकी ज़िंदगी में एक ठहराव और आत्मिक इत्मीनान आ चुका था। एक रोज़,जब वो रोज़मर्रा की तरह जंगल के मुआयने और गश्त पर निकला हुआ था, तो गांव के मुहाने पर बहती एक छोटी सी नदी के पास उसकी निगाह अचानक एक लड़की पर पड़ी। वह कोई मामूली हुस्न नहीं था,बल्कि ऐसा मालूम होता था जैसे इस पूरी वादी की सारी मासूमियत और ख़ूबसूरती सिमटकर उस एक सलोने चेहरे में आ गई हो। सादगी में ढला हुआ चेहरा, आँखों में पहाड़ी चश्मों जैसी पवित्र रवानी और उसकी चाल में एक अजीब सी बेफिक्री और हिरनी जैसी लचक थी। उसने महज़ चंद लम्हों के लिए उसे देखा था,लेकिन वो चंद लम्हे उसके दिलो-दिमाग़ पर इस कदर हावी हो गए कि उसके बाद उसकी दुनिया बदल गई। लड़की तो पलक झपकते ही अपनी सहेलियों के साथ खिलखिलाती हुई झाड़ियों के पीछे ओझल हो गई,लेकिन फॉरेस्ट ऑफिसर की बेनाम बेचैनी का आग़ाज़ वहीं से हो गया। अब उसका दिल पहले जैसा शांत और कर्त्तव्यनिष्ठ नहीं रह गया था,बल्कि उसमें एक अजब सी बेकरारी और दीवानगी ने डेरा डाल लिया था। हर रोज़,चाहे वो सुबह का गश्त हो या शाम की सैर,उसकी आँखें अपने कर्त्तव्य के साथ-साथ बस उसी एक चेहरे को शिद्दत से तलाश करतीं। ऐसा लगता था जैसे इस घने जंगल के पेचीदा रास्तों के बीच, वही लड़की उसकी असल मंज़िल बन चुकी हो और वो उसे पाने के लिए छटपटा रहा हो। वो हर रोज़ उससे मिलने के नए-नए बहाने तलाशता,कभी गांव के बुज़ुर्गों से रास्तों के बारे में पूछता,कभी नए पौधों की पैमाइश का बहाना करता, तो कभी बस यूँ ही उस पगडंडी पर घंटों ख़ामोश खड़ा रहता जहाँ से गांव की औरतें लकड़ियाँ या पानी लेने आती थीं। मोहब्बत की यह तड़प अब दोनों तरफ़ बराबर सुलगने लगी थी क्योंकि वो लड़की भी सीधे बात तो नहीं कर पाती थी, लेकिन उसका दिल भी अब इस वर्दी वाले अजनबी अफ़सर के लिए तेज़ी से धड़कने लगा था। जब ऑफिसर जंगल के रास्तों से गुज़रता, तो वह ऊंचे टीलों पर खड़ी सूखी लकड़ियाँ चुनते हुए या घास काटते हुए उसे दूर से निहारती।

सूचना
समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।
-सम्पादक

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

CMYK

चरचा कॉलरी में सिलेंडर ब्लास्ट से डिप्टी मैनेजर की मौत

दुर्घटना,आत्महत्या या कुछ और? कई सवालों के बीच जांच में जुटी पुलिस

एसईसीएल के वरिष्ठ अधिकारी की मौत से क्षेत्र में सनसनी

पत्नी और एक पुत्र थे रांची में, दूसरे बेटे को बार-बार घर से बाहर भेजने की चर्चा...जांच के पहले ही क्षेत्र में उठने लगे सवाल

-संवाददाता-
बैकुंठपुर,07 जून 2026
(घटती-घटना)।

एसईसीएल चरचा कॉलरी के चाइना ब्लॉक में मंगलवार रात हुई एक दर्दनाक घटना ने पूरे क्षेत्र को स्तब्ध कर दिया, रात करीब 9:30 बजे हुए कथित गैस सिलेंडर विस्फोट में एसईसीएल के डिप्टी मैनेजर के.वी. नंदन (54 वर्ष) की मौके पर ही मौत हो गई, घटना के बाद कॉलरी क्षेत्र में हड़कंप मच गया और सूचना मिलते ही पुलिस,एसईसीएल प्रबंधन तथा बचाव दल मौके पर पहुंच गए, प्रारंभिक तौर पर इसे सिलेंडर ब्लास्ट की दुर्घटना बताया जा रहा है, लेकिन घटनास्थल से सामने आ रही जानकारियां इस मामले को केवल दुर्घटना मान लेने पर कई सवाल खड़े कर रही हैं।

घटना से पहले बेटे को कई बार बाहर भेजने की चर्चा

स्थानीय सूत्रों के अनुसार घटना के समय मृतक की पत्नी और एक पुत्र रांची गए हुए थे,घर में केवल डिप्टी मैनेजर और उनका लगभग 17-18 वर्षीय पुत्र मौजूद था,क्षेत्र में चर्चा है कि घटना से कुछ समय पहले मृतक ने अपने पुत्र को एक बार नहीं बल्कि कई बार घर से बाहर जाने के लिए कहा था, बताया जा रहा है कि अंतिम बार जब पुत्र बाहर गया तो उसके बाद घर का दरवाजा बंद कर लिया गया,कुछ ही देर बाद जोरदार धमाके की आवाज सुनाई दी और लोग मौके की ओर दौड़े,यही घटनाक्रम अब लोगों के बीच चर्चा का सबसे बड़ा विषय बना हुआ है।

फोरेंसिक जांच से खुल सकता है रहस्य- मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है, जांच एजेंसियां यह पता लगाने का प्रयास कर रही हैं कि–गैस का रिसाव कैसे हुआ? सिलेंडर और रेगुलेटर की वास्तविक स्थिति क्या थी? विस्फोट से पहले कमरे की परिस्थितियां कैसी थीं? क्या कोई सुसाइड नोट या अन्य संकेत मिले हैं? घटना पूरी तरह दुर्घटना थी या इसके पीछे कोई अन्य कारण है? इन सभी सवालों के जवाब अब फोरेंसिक रिपोर्ट और पुलिस जांच पर निर्भर हैं।

सिलेंडर का पाइप निकला मिला,बढ़ा संदेह

घटना के बाद स्थानीय स्तर पर यह चर्चा भी सामने आई कि सिलेंडर का पाइप अपनी सामान्य स्थिति में नहीं था,कुछ लोगों का कहना है कि यदि यह सामान्य दुर्घटना होती तो पाइप जलकर सिलेंडर से जुड़ा रहता,जबकि घटनास्थल पर पाइप अलग स्थिति में मिलने की बातें कही जा रही हैं,हालांकि इस संबंध में अभी तक पुलिस या फोरेंसिक टीम की ओर से कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है, लेकिन इन्हीं तथ्यों के आधार पर क्षेत्र में आत्महत्या की आशंका भी व्यक्त की जा रही है।

दुर्घटना या आत्महत्या? जांच से पहले निष्कर्ष मुश्किल

घटना के बाद कई तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं, कुछ लोग इसे गैस रिसाव के कारण हुई दुर्घटना मान रहे हैं,जबकि कुछ लोगों का कहना है कि परिस्थितियां आत्महत्या की ओर संकेत कर रही हैं, हालांकि विशेषज्ञों का मानना है कि केवल चर्चाओं और प्रारंभिक तथ्यों के आधार पर किसी निष्कर्ष पर पहुंचना उचित नहीं होगा, घटनास्थल की तकनीकी जांच,गैस सिलेंडर की स्थिति,फोरेंसिक रिपोर्ट और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही वास्तविक कारण स्पष्ट हो सकेगा।

एसईसीएल प्रबंधन भी जुटा जांच में...

घटना के बाद एसईसीएल प्रबंधन ने भी मामले को गंभीरता से लिया है, कंपनी स्तर पर भी घटना की जानकारी जुटाई जा रही है और प्रशासन को आवश्यक सहयोग प्रदान किया जा रहा है, एक वरिष्ठ अधिकारी की अचानक हुई मौत ने एसईसीएल कर्मचारियों को भी झकझोर कर रख दिया है। कॉलरी क्षेत्र में दिनभर इसी घटना की चर्चा होती रही।

जवाब का इंतजार

फिलहाल यह मामला दुर्घटना और आत्महत्या की आशंकाओं के बीच उलझा हुआ है,क्षेत्र में तरह-तरह की चर्चाएं जरूर चल रही हैं,लेकिन सच्चाई क्या है इसका जवाब केवल जांच एजेंसियों के पास है,जब तक पुलिस और फोरेंसिक जांच पूरी नहीं हो जाती,तब तक किसी भी निष्कर्ष पर पहुंचना जल्दबाजी होगी। लेकिन इतना तय है कि चरचा कॉलरी में हुई इस घटना ने कई ऐसे सवाल खड़े कर दिए हैं,जिनके जवाब पूरे जिले को इंतजार है,अब सबकी निगाहें पुलिस जांच और फोरेंसिक रिपोर्ट पर टिकी हैं,जो बताएगी कि यह एक दुखद हादसा था या फिर इसके पीछे कोई और कहानी छिपी हुई है।

भंडारगांव में अवैध शराब बिक्री पर पुलिस की बड़ी कार्रवाई,38 लीटर शराब के साथ आरोपी गिरफ्तार

-संवाददाता-
सरगुजा,07 जून 2026
(घटती-घटना)।

आबकारी एक्ट के तहत चलाए जा रहे विशेष अभियान के दौरान थाना उदयपुर पुलिस ने अवैध रूप से शराब बिक्री करने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से करीब 38 लीटर शराब जब्त की है। जब्त शराब की कुल कीमत 26,740 रुपये आंकी गई है। आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, डीआईजी एवं एसएसपी सरगुजा राजेश कुमार अग्रवाल के निर्देश पर जिलेभर में आबकारी अधिनियम के उल्लंघन करने वालों के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में 6 जून 2026 को थाना उदयपुर पुलिस की टीम पेट्रोलिंग एवं ग्राम भ्रमण पर निकली हुई थी। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि भंडारगांव में एक युवक अपने किराए के मकान के पास अवैध रूप से अंग्रेजी शराब बेच रहा है। सूचना की तस्दीक करते हुए पुलिस टीम गवाहों के साथ मौके पर पहुंची और घेराबंदी कर संदिग्ध युवक को पकड़ा। पूछताछ में युवक ने अपना नाम अभिषेक यादव (24 वर्ष) निवासी रोपाखार थाना कमलेश्वरपुर तथा वर्तमान निवासी भंडारगांव थाना उदयपुर बताया। पुलिस द्वारा शराब बिक्री संबंधी वैध दस्तावेज मांगे जाने पर वह कोई अनुमति पत्र या लाइसेंस प्रस्तुत नहीं कर सका। तलाशी के दौरान आरोपी के कब्जे से विभिन्न ब्रांडों की कुल 38 लीटर अवैध शराब बरामद की गई। जब्त सामग्री में गोल्डन गोवा,रॉयल चैलेंजर व्हिस्की,रॉयल स्टेज व्हिस्की, आईबी,मैजिक मोमेंट वोडका, मैकडॉवेल,सिम्बा बीयर सहित देशी शराब की बोतलें शामिल हैं। पुलिस ने पूरी शराब जब्त कर पंचनामा कार्रवाई की। प्राथमिक जांच में आरोपी द्वारा अवैध रूप से शराब बिक्री किए जाने के पर्याप्त साक्ष्य मिलने पर उसके खिलाफ आबकारी एक्ट की धारा 34(2) के तहत अपराध दर्ज किया गया। इसके बाद आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया,जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया।

श्रीराम हॉस्पिटल के बाहर से बाइक चोरी...24 घंटे में पुलिस ने बरामद की,शातिर चोर गिरफ्तार

आरोपी पहले भी 4 वाहन चोरी के मामलों में जा चुका है जेल,साथियों की तलाश जारी

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,07 जून 2026
(घटती-घटना)।

शहर के व्यस्त इलाके में स्थित श्रीराम हॉस्पिटल के बाहर से चोरी हुई मोटरसाइकिल को कोतवाली पुलिस ने 24 घंटे के भीतर बरामद कर लिया। मामले में एक शातिर वाहन चोर को गिरफ्तार किया गया है, जबकि वारदात में शामिल उसके अन्य साथियों की तलाश जारी है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी पहले भी चार वाहन चोरी के मामलों में चालान हो चुका है। जानकारी के अनुसार ग्राम दोरना निवासी कमल राज यादव 5 जून को अपनी भाभी का इलाज कराने श्रीराम हॉस्पिटल पहुंचे थे। उन्होंने अपनी मोटरसाइकिल (CG-15-CJ-9557) अस्पताल के सामने खड़ी की और अंदर चले गए। करीब एक घंटे बाद लौटने पर बाइक गायब थी। काफी खोजबीन के बाद भी वाहन नहीं मिलने पर उन्होंने कोतवाली थाना पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई।

मुखबिर की सूचना बनी सफलता की कुंजी : मामला दर्ज होने के बाद कोतवाली पुलिस ने जांच शुरू की। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि एक युवक चोरी की बाइक के साथ रामानुजगंज नाका से शंकरघाट की ओर जाते देखा गया है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस टीम ने तत्काल घेराबंदी कर संदिग्ध युवक को हिरासत में लिया। पूछताछ में युवक ने अपना नाम मुकेश चेरवा निवासी रजपुरीखुर्द बताया। शुरूआती पूछताछ में वह पुलिस को गुमराह करता रहा, लेकिन सख्ती से पूछताछ करने पर उसने अपने साथियों के साथ मिलकर बाइक चोरी करने की बात स्वीकार कर ली।

तालाब किनारे झाड़ियों में छिपाई थी बाइक : आरोपी की निशानदेही पर पुलिस टीम मायापुर स्थित रूनझून तालाब पहुंची, जहां झाड़ियों के बीच छिपाकर रखी गई चोरी की मोटरसाइकिल बरामद की गई। पुलिस ने वाहन जब्त कर उसके वास्तविक मालिक को सुपुर्द करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

पुराने मामलों का भी आरोपी : पुलिस जांच में सामने आया है कि गिरफ्तार आरोपी मुकेश चेरवा कोई नया अपराधी नहीं है। उसके खिलाफ पहले भी मोटरसाइकिल चोरी के चार अलग-अलग मामले दर्ज हैं और वह इन मामलों में न्यायालय से चालान हो चुका है। इससे यह स्पष्ट होता है कि वह पेशेवर वाहन चोर गिरोह से जुड़ा हो सकता है।

अन्य आरोपियों की तलाश में दबिश

पुलिस का कहना है कि बाइक चोरी की इस वारदात में आरोपी अकेला नहीं था। उसके साथ अन्य लोग भी शामिल थे, जिनकी पहचान कर ली गई है। उनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दी जा रही है। पुलिस को उम्मीद है कि जल्द ही पूरे गिरोह का खुलासा किया जाएगा।

पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर कार्रवाई : यह कार्रवाई सरगुजा जिले में संपत्ति संबंधी अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत की गई। कोतवाली पुलिस की इस सफलता में थाना प्रभारी निरीक्षक शशिकांत सिन्हा, प्रधान आरक्षक राजेश चतुर्वेदी तथा आरक्षक विवेक रॉय और अमित विश्वकर्मा की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

डेली निड्स दुकान की आड़ में गांजा बिक्री,पिता-पुत्र गिरफ्तार

3 किलो गांजा जब्त,कीमत डेढ़ लाख रुपए बताई गई

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,07 जून 2026
(घटती-घटना)।

कोतवाली पुलिस ने मादक पदार्थों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए केदारपुर स्थित एक डेली निड्स दुकान से 3 किलो गांजा बरामद किया है। मामले में पिता-पुत्र को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है। पुलिस को सूचना मिली थी कि नगर निगम पानी टंकी के सामने संचालित सोनू डेली निड्स दुकान में अवैध रूप से गांजा बेचने का कारोबार किया जा रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस ने दुकान में दबिश दी। तलाशी के दौरान डीप फ्रीजर के पीछे रखे झोले से करीब 3 किलो गांजा बरामद हुआ। पुलिस ने दुकान संचालक शिवम सोनी उर्फ सोनू (28) और उसके पिता नरेश सोनी (56) को गिरफ्तार किया। जब्त गांजे की बाजार कीमत लगभग 1.50 लाख रुपए आंकी गई है। आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 20(बी) के तहत कार्रवाई की गई है।

सड़क हादसे में घायलों की मदद को रुकीं मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े

अपनी गाड़ी से पहुंचाया अस्पताल

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,07 जून 2026
(घटती-घटना)।

महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने सड़क दुर्घटना में घायल लोगों की मदद कर संवेदनशीलता का परिचय दिया। उन्होंने घायलों को अपनी गाड़ी से अस्पताल पहुंचाने की व्यवस्था की और बेहतर उपचार के निर्देश दिए। जानकारी के अनुसार मंत्री रायपुर से अपने गृह क्षेत्र बीरपुर लौट रही थीं। इसी दौरान अंबिकापुर रेलवे स्टेशन के पास स्कूटी और ऑटो की आमने-सामने टक्कर हो गई। हादसे में दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना देखकर मंत्री तत्काल वाहन से उतरीं और घायलों का हाल जाना। उन्होंने बिना देर किए दोनों घायलों को अपनी गाड़ी से अस्पताल भिजवाया। बताया जाता है कि उस समय वे काफिले के बजाय सामान्य वाहन से यात्रा कर रही थीं। मंत्री ने मौके पर मौजूद लोगों और संबंधित अधिकारियों को घायलों के समुचित उपचार की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए।

शरारती तत्वों की हरकत से अंबिकापुर-दुर्ग ट्रेन घंटों रुकी,सैकड़ों यात्री हुए परेशान

मुख्य लाइन पर फेंकी गई OHE सुरक्षा जाली,समय रहते खतरे का पता चलने से टला बड़ा हादसा

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,07 जून 2026
(घटती-घटना)।

अंबिकापुर से दुर्ग जाने वाली ट्रेन रविवार को एक गंभीर तकनीकी बाधा के कारण घंटों तक स्टेशन पर ही खड़ी रही। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार किसी शरारती तत्व द्वारा रेलवे की ओएचई (ओवरहेड इलेक्ट्रिक लाइन) सुरक्षा जाली को मुख्य रेल लाइन पर फेंक दिया गया था, जिसके चलते ट्रेन का परिचालन रोकना पड़ा। बताया जा रहा है कि यह घटना अंबिकापुर रेलवे स्टेशन से आगे पुल के समीप हुई। रेलवे कर्मचारियों द्वारा समय रहते ट्रैक पर पड़ी जाली को देख लिया गया, जिससे संभावित बड़ा हादसा टल गया। यदि ट्रेन के गुजरने के दौरान जाली ओएचई सिस्टम या ट्रेन से टकराती तो रेल यातायात लंबे समय तक बाधित हो सकता था और यात्रियों की सुरक्षा पर भी खतरा उत्पन्न हो सकता था। घटना के बाद अंबिकापुर-दुर्ग ट्रेन कई घण्टे तक स्टेशन पर खड़ी रही, जिससे सैकड़ों यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। ट्रेन में मौजूद यात्रियों में देरी को लेकर नाराजगी भी देखने को मिली। सूत्रों के अनुसार रेलवे के स्टेशन मास्टर और स्थानीय तकनीकी कर्मचारियों ने तत्काल स्थिति को नियंत्रित करने का प्रयास किया। हालांकि समस्या के पूर्ण समाधान के लिए बैकुंठपुर से विशेष तकनीकी टीम को बुलाया गया,जिसके पहुंचने के बाद ही आगे की कार्रवाई संभव हो सकी। रेलवे अधिकारियों का मानना है कि यह किसी शरारती व्यक्ति की हरकत हो सकती है। मामले की जांच की जा रही है और संबंधित क्षेत्र के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज सहित अन्य साक्ष्यों की पड़ताल की जा रही है।

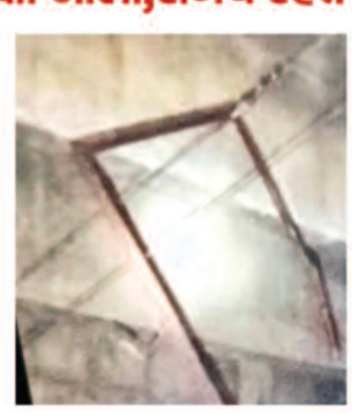

रेलवे सूत्रों के मुताबिक तकनीकी जांच और सुरक्षा मानकों की पुष्टि के बाद ही ट्रेन को रवाना किया जाएगा। देर रात तक ट्रेन के परिचालन को लेकर यात्रियों में अनिश्चितता बनी रही।

रेलवे प्रशासन ने कहा है कि ऐसी घटनाएं न केवल रेल परिचालन को प्रभावित करती हैं बल्कि यात्रियों की सुरक्षा के लिए भी गंभीर खतरा पैदा करती हैं। दोषियों की पहचान कर उनके विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

विश्व साइकिल दिवस पर निकली ''संडे ऑन साइकिल'' रैली, 300 से अधिक साइकिलिस्ट हुए शामिल....

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,07 जून 2026
(घटती-घटना)।

जिला प्रशासन एवं खेल एवं युवा कल्याण विभाग के संयुक्त तत्वावधान में विश्व साइकिल दिवस के अवसर पर रविवार को ''संडे ऑन साइकिल'' रैली का आयोजन किया गया। स्वास्थ्य जागरूकता एवं फिट जीवनशैली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित इस रैली में स्कूली विद्यार्थियों,खिलाड़ियों, अधिकारियों-कर्मचारियों तथा आम नागरिकों सहित लगभग 300 साइकिलिस्टों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। साइकिल रैली को नगर पालिक निगम अम्बिकापुर के सभापति श्री हरमिंदर सिंह टिन्नी, एमआईसी सदस्य श्री शशिकांत जायसवाल एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री अमोलक सिंह ढिल्लो ने घड़ी चौक से हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। रैली घड़ी चौक से प्रारंभ होकर महामाया चौक, गुरुनानक चौक, लरंगसाय चौक एवं गांधी चौक होते हुए पुनः घड़ी चौक पहुंचकर सम्पन्न हुई। अतिथियों ने स्वयं भी रैली में सहभागिता कर प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर नियमित साइकिलिंग एवं खेलकूद को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने का संदेश दिया गया। वक्ताओं ने कहा कि साइकिलिंग न केवल पर्यावरण संरक्षण में सहायक है, बल्कि यह स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखने का भी प्रभावी माध्यम है। कार्यक्रम के दौरान सहायक संचालक खेल एवं युवा कल्याण श्री रामकुमार सिंह ने सभी अतिथियों, प्रतिभागियों एवं सहयोगी विभागों के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर कृषि विभाग के उप संचालक श्री पीताम्बर दीवान, माई भारत के जिला युवा अधिकारी श्री प्रिन्स सिंह, जिला क्रीड़ा अधिकारी श्री विकास सिंह, आईसीआईसीआई बैंक के प्रबंधक श्री रमेश चन्द्रा, जिला पंचायत की लेखा अधिकारी श्रीमती महामाया ओझा सहित पुलिस, स्वास्थ्य एवं शिक्षा विभाग के अधिकारी-कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे। यातायात प्रभारी एवं उनकी टीम द्वारा रैली के दौरान सुचारू यातायात व्यवस्था सुनिश्चित की गई। कार्यक्रम का संचालन श्री राकेश मिश्रा एवं सुश्री सुनीता दास ने किया।

महिला पंच का शव फंदे पर लटका मिला

क्षेत्र में फैली सनसनी,सुबह घर से निकली थी जंगल,दोपहर में मिला शव

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,07 जून 2026
(घटती-घटना)।

ग्राम अमगसी पंचायत की महिला पंच का शव फांसी के फंदे पर लटका मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार मृतका की पहचान सनीता पैकरा (25) पति अशोक पैकरा,निवासी ग्राम अमगसी के रूप में हुई है। परिजनों के मुताबिक सनीता रविवार सुबह करीब 5 बजे लकड़ी लेने जंगल जाने की बात कहकर घर से निकली थी। इसके बाद दोपहर में उसका शव फंदे पर लटका हुआ मिला। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और पंचनामा कार्रवाई के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस मामले के सभी पहलुओं की जांच कर रही है। प्रारंभिक तौर पर मौत के कारणों का खुलासा नहीं हो सका है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो पाएगी।

छोटे झाड़ के जंगलों पर बोल्डर माफिया का हमला,खनिज विभाग की चुप्पी पर उठे सवाल

▶▶ पैनारी के जंगलों से धड़ल्ले से हो रहा अवैध उत्खनन,हर दिन सैकड़ों ट्रिप पत्थरों के परिवहन की चर्चा

▶▶ लीज क्षेत्र में दिखावटी खनन और जंगलों से बोल्डर चोरी के आरोप,ग्रामीणों ने दी आंदोलन की चेतावनी

-राजेन्द्र शर्मा-

खड़गवां (एमसीबी),07 जून 2026 (घटती-घटना)। एक ओर सरकार पर्यावरण संरक्षण,वृक्षारोपण और हरित विकास के बड़े-बड़े दावे कर रही है, वहीं दूसरी ओर मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के खड़गवां विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत पैनारी के आसपास स्थित छोटे झाड़ वाले जंगल कथित अवैध बोल्डर उत्खनन की भेंट चढ़ते नजर आ रहे हैं, स्थानीय लोगों का आरोप है कि राजस्व भूमि और वन क्षेत्र में खुलेआम बोल्डर निकाले जा रहे हैं, लेकिन जिम्मेदार विभाग आंखें मूंदे बैठा है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि यही स्थिति बनी रही तो आने वाले कुछ वर्षों में क्षेत्र के छोटे जंगल, पहाड़ियां और प्राकृतिक जलस्रोत पूरी तरह समाप्त हो सकते हैं, अवैध खनन के कारण जहां जंगलों का स्वरूप बदल रहा है, वहीं पर्यावरणीय संतुलन पर भी गंभीर खतरा मंडराने लगा है।

हरे-भरे जंगलों की जगह बन रहे गहरे गड्ढे

स्थानीय लोगों के अनुसार पैनारी क्षेत्र के आसपास स्थित छोटे झाड़ वाले जंगलों और पहाड़ी क्षेत्रों में लंबे समय से अवैध बोल्डर उत्खनन किया जा रहा है,जहां कभी हरियाली और प्राकृतिक वनस्पतियां दिखाई देती थीं, वहां अब बड़े-बड़े गड्ढे और कटे हुए पहाड़ी हिस्से नजर आने लगे हैं, ग्रामीणों का आरोप है कि उत्खनन करने वाले पहले बड़े पत्थरों को आग से गर्म करते हैं और फिर उन्हें हथौड़ों तथा अन्य भारी उपकरणों की सहायता से तोड़कर छोटे-छोटे टुकड़ों में परिवर्तित करते हैं, इसके बाद इन्हें वाहनों के माध्यम से क्रेशर प्लांट तक पहुंचाया जाता है, ग्रामीणों का कहना है कि यह कार्य अब छिपकर नहीं बल्कि खुलेआम किया जा रहा है, जिससे लोगों में प्रशासनिक निष्क्रियता को लेकर नाराजगी बढ़ती जा रही है।

चैन मशीनों से खोदे जा रहे पहाड़...कमजोर हो रही जमीन...

स्थानीय सूत्रों के मुताबिक पैनारी में संचालित क्रेशर प्लांट से लगी पहाड़ियों में भारी मशीनों का उपयोग कर लगातार उत्खनन किया जा रहा है,हैवी चैन मशीनों की मदद से पत्थरों को निकाला जा रहा है,जिससे पहाड़ियों की संरचना प्रभावित हो रही है,इस गतिविधि के कारण आसपास की जमीन कमजोर होती जा रही है और कई स्थानों पर धंसाव की आशंका भी बढ़ गई है,छोटे पेड़-पौधे,झाड़ियां और प्राकृतिक वनस्पतियां जड़ों समेत नष्ट हो रही हैं,पर्यावरण विशेषज्ञों का मानना है कि छोटे जंगलों का विनाश केवल पेड़ों की कटाई भर नहीं है,बल्कि यह स्थानीय जैव विविधता, भूजल संरक्षण और प्राकृतिक संतुलन पर भी सीधा असर डालता है।

मवेशियों के चराई क्षेत्र हो रहे समाप्त...

अवैध उत्खनन का असर अब ग्रामीणों के दैनिक जीवन पर भी दिखाई देने लगा है,ग्रामीणों का कहना है कि जिन क्षेत्रों में पहले मवेशियों को चराने ले जाया जाता था,वे अब खदाननुमा गहरे गड्ढों में तब्दील हो चुके हैं,पशुपालकों के सामने चराई की समस्या बढ़ गई है,इसके साथ ही पशुओं के दुर्घटनाग्रस्त होकर गड्ढों में गिरने का खतरा भी बढ़ गया है, ग्रामीणों का आरोप है कि यदि समय रहते इस पर रोक नहीं लगाई गई तो आने वाले दिनों में पशुपालन पर भी गंभीर प्रभाव पड़ सकता है।

हर दिन सैकड़ों ट्रिप बोल्डर परिवहन की चर्चा- स्थानीय लोगों के अनुसार जंगलों से निकाले गए बोल्डरों को बड़ी संख्या में क्रेशर

प्लांट तक पहुंचाया जा रहा है,क्षेत्र में प्रतिदिन सैकड़ों ट्रिप पत्थर परिवहन होने की चर्चा है, ग्रामीणों का कहना है कि यदि वास्तव में इतनी बड़ी मात्रा में बोल्डर परिवहन हो रहे हैं तो यह किसी छोटे स्तर की चोरी नहीं बल्कि एक संगठित अवैध खनन नेटवर्क का संकेत है, लोग सवाल उठा रहे हैं कि यदि परिवहन इतने बड़े पैमाने पर हो रहा है तो फिर जिम्मेदार विभागों की नजर इस पर क्यों नहीं पड़ रही।

लीज क्षेत्र में कम, जंगलों में ज्यादा खनन के आरोप-ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि कुछ क्रेशर संचालक अपनी स्वीकृत लीज भूमि में सीमित और दिखावटी उत्खनन करते हैं, जबकि वास्तविक सामग्री आसपास के छोटे जंगलों और अन्य प्रतिबंधित क्षेत्रों से लाई जाती है, उनका कहना है कि यदि लीज क्षेत्र, उत्खनन स्थल और क्रेशर में मौजूद स्टॉक का भौतिक सत्यापन किया जाए तो वास्तविक स्थिति सामने आ सकती है,ग्रामीणों का आरोप है कि जारी पीट पास की मात्रा और वास्तविक उत्खनन के बीच बड़ा अंतर है, यदि इस संबंध में निष्पक्ष जांच की जाए तो शासन को संभावित राजस्व हानि और अवैध खनन के नेटवर्क से जुड़े कई तथ्य सामने आ सकते हैं।

खनिज विभाग की भूमिका पर सवाल-पूरा मामला सामने आने के बाद सबसे अधिक सवाल खनिज विभाग की कार्यप्रणाली पर उठ रहे हैं, स्थानीय नागरिकों का कहना है कि इतने बड़े पैमाने पर उत्खनन और परिवहन बिना विभागीय जानकारी के संभव नहीं लगता, ग्रामीणों का आरोप है कि कई बार शिकायतों के बावजूद प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। इससे लोगों के बीच यह धारणा बन रही है कि या तो विभाग इस गतिविधि से पूरी तरह अनजान है या फिर मामले को गंभीरता से नहीं लिया जा रहा, विशेष रूप से तब सवाल और गहरे हो जाते हैं जब संबंधित मामले में जानकारी लेने के लिए खनिज अधिकारी से संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन उनका पक्ष प्राप्त नहीं हो सका, स्थानीय लोगों का आरोप है कि खनिज अधिकारी आमतौर पर फोन कॉल का जवाब देने से भी बचते हैं।

जंगल बचाने की मांग, बड़े आंदोलन की चेतावनी

ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि पैनारी क्षेत्र में संचालित क्रेशरों की लीज भूमि, जंगलों में चल रहे कथित उत्खनन स्थलों और क्रेशर परिसर में रखे गए बोल्डर स्टॉक का संयुक्त भौतिक सत्यापन कराया जाए, लोगों का कहना है कि यदि निष्पक्ष जांच कराई जाए तो यह स्पष्ट हो जाएगा कि पत्थर कहां से निकाले जा रहे हैं और क्या निर्धारित नियमों का पालन किया जा रहा है या नहीं, ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो वे आंदोलन का रास्ता अपनाने के लिए मजबूर होंगे।

सबसे बड़ा सवाल-जंगल बचेंगे या बोल्डर माफिया जीतेगा?

आज पैनारी और आसपास के छोटे जंगल एक ऐसे मोड़ पर खड़े हैं जहां निर्णय केवल प्रशासन को लेना है, यदि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो छोटे झाड़ वाले ये जंगल,पहाड़ियां और प्राकृतिक संसाधन धीरे-धीरे इतिहास बन सकते हैं,फिलहाल ग्रामीणों की निगाहें जिला प्रशासन और खनिज विभाग पर टिकी हैं, लोग जानना चाहते हैं कि क्या जांच केवल फाइलों और कागजों तक सीमित रहेगी या फिर वास्तव में जंगलों को बचाने के लिए धरातल पर सख्त कार्रवाई होगी, क्योंकि सवाल सिर्फ अवैध खनन का नहीं है, सवाल आने वाली पीढ़ियों के लिए बची हुई हरियाली का भी है।

सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया द्वारा मेगा कृषि ऋण आउटरीच कैंप सम्पन्न

8 करोड़ के ऋण स्वीकृत

-संवाददाता-

अम्बिकापुर,07 जून 2026 (घटती-घटना)। सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया द्वारा शनिवार को पूरे देश में ''मेगा कृषि ऋण आउटरीच कैंप'' का आयोजन लखनपुर में किया गया। इसी क्रम में सरगुजा जिले की बैंक की सभी 13 शाखाओं द्वारा कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों में विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत ऋण स्वीकृत एवं वितरित किए गए। कैंप के दौरान शाखाओं द्वारा किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी), स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी),राइस मिलों तथा अन्य पात्र लाभार्थियों को उनकी आवश्यकतानुसार ऋण सुविधाएं प्रदान की गई। इस विशेष अभियान का उद्देश्य किसानों, उद्यमियों एवं ग्रामीण क्षेत्रों के अन्य लाभार्थियों तक समयबद्ध एवं सुलभ ऋण उपलब्ध कराना रहा। इस अवसर पर सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के क्षेत्रीय प्रमुख श्री राजेश कुमार ने कृषि ऋण सम्बन्धी अनेक योजनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी। इस दौरान किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी), स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी), गव्य विकास, मत्स्य, पशुपालन, मुर्गी पालन,फूड प्रोसेसिंग, राइस मिलों, पीएमएफएमई सम्बन्धी जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार आपातकालीन ऋण गारंटी योजना (श्वष्टरुस्) 5.0 को मंजूरी प्रदान की है, इस योजना के अंतर्गत बैंक अपने मानक (स्टैंडर्ड) खाताधारक ग्राहकों को वित्तीय वर्ष 2025-26 की चैथी तिमाही के दौरान उपयोग की गई अधिकतम कार्यशील पूंजी का 20 प्रतिशत तक अतिरिक्त ऋण, प्रति उधारकर्ता 100 करोड़ की सीमा तक उपलब्ध करा सकता है। उन्होंने बताया कि यह योजना 100 प्रतिशत ऋण गारंटी कवर के साथ अतिरिक्त ऋण प्रवाह सुनिश्चित करने एवं उद्यमों की तरलता संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने के उद्देश्य से लागू की गई है।

सीएचसी उदयपुर में डॉक्टरों की अनुपस्थिति पर सवाल

प्रसव पीड़िता सुबह से भर्ती,परिजनों ने व्यवस्था पर जताई नाराजगी

-संवाददाता-

उदयपुर,07 जून 2026 (घटती-घटना)। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) उदयपुर में रविवार को डॉक्टरों की अनुपस्थिति को लेकर परिजनों ने नाराजगी जताई।

आरोप है कि सुबह से अस्पताल में भर्ती एक प्रसूता को समय पर चिकित्सकीय परामर्श नहीं मिल पाया, जिससे परिजनों की चिंता बढ़ गई। जानकारी के अनुसार ग्राम चकेरी निवासी सावित्री को प्रसव पीड़ा होने पर सुबह करीब 6 बजे सीएचसी उदयपुर में भर्ती कराया गया था। परिजनों का आरोप है कि पूर्वाह्न 11 बजे तक अस्पताल में कोई डॉक्टर मौजूद नहीं था और स्वास्थ्य सेवाएं नर्सिंग स्टाफ के भरोसे संचालित होती रहीं। परिजनों का कहना है कि महिला की स्थिति को देखते हुए उसे अंबिकापुर रेफर करने की तैयारी की जा रही थी। उनका आरोप है कि डॉक्टरों की अनुपस्थिति से जच्चा और बच्चा दोनों के स्वास्थ्य को लेकर चिंता की स्थिति बनी रही। मामले को लेकर अस्पताल प्रबंधन का पक्ष नहीं मिल सका है। परिजनों ने स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों से व्यवस्था में सुधार और जिम्मेदारों पर कार्रवाई की मांग की है।

विश्व साइकिल दिवस पर कोरिया में निकली भव्य साइकिल रैली,फिटनेस और पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

-संवाददाता-

बैकुंठपुर 07 जून 2026 (घटती-घटना)। विश्व साइकिल दिवस के अवसर पर कोरिया जिले में खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा फिट इंडिया अभियान के तहत भव्य साइकिलिंग एवं जुम्बा कार्यक्रम का आयोजन किया गया,जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम में प्रशासनिक अधिकारियों,पुलिस विभाग, विभिन्न शासकीय कर्मचारियों, खेल संघों, छात्र-छात्राओं तथा बड़ी संख्या में नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत जुम्बा गतिविधि से हुई,जिसमें प्रतिभागियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और फिटनेस के प्रति

जागरूकता का संदेश दिया,इसके बाद कुमार चौक से विशाल साइकिल रैली का शुभारंभ किया गया, रैली को कलेक्टर कोरिया एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया,रंग-बिरंगी साइकिलों के साथ निकली यह रैली शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुए मिनी स्टेडियम और महाविद्यालय क्षेत्र तक पहुंची तथा पुनः कुमार चौक में आकर समाप्त हुई, रैली के दौरान प्रतिभागियों ने स्वास्थ्य,स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण से जुड़े संदेश दिए, आयोजन का उद्देश्य लोगों को नियमित शारीरिक गतिविधियों के प्रति प्रेरित करना तथा साइकिल को दैनिक जीवन में अपनाने के लिए प्रोत्साहित करना था,कार्यक्रम में शामिल अधिकारियों ने कहा कि साइकिल चलाना न केवल स्वास्थ्य के लिए लाभदायक है बल्कि प्रदूषण कम करने और पर्यावरण संरक्षण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, कलेक्टर ने स्वयं साइकिल चलाकर लोगों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन केवल एक दिन तक सीमित नहीं रहने चाहिए, बल्कि इन्हें जनआंदोलन का स्वरूप दिया जाना चाहिए, उन्होंने नागरिकों से नियमित व्यायाम और साइकिल चलाने की आदत विकसित करने की अपील की, कार्यक्रम के अंत में जिला खेल अधिकारी ने सभी प्रतिभागियों,अधिकारियों, कर्मचारियों एवं सहयोगी संस्थाओं का आभार व्यक्त किया, उन्होंने कहा कि जिले में खेल और स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए भविष्य में भी ऐसे जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहेंगे, विश्व साइकिल दिवस पर आयोजित यह कार्यक्रम स्वास्थ्य, फिटनेस और पर्यावरण संरक्षण के प्रति लोगों को जागरूक करने का प्रभावी माध्यम साबित हुआ।

सड़क किनारे सीमेंट के ढेर से टकराई बाइक,युवक की मौत

-संवाददाता-

रामानुजनगर,07 जून 2026 (घटती-घटना)। थाना क्षेत्र के राजापुर बाजार के पास हुए सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक की पहचान ग्राम सलका के रजवारीपारा निवासी बलिट राम (41) पिता रामलगन के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार बलिट राम अपने बच्चे का जन्मदिन मनाने के लिए पुराने घर ग्राम साल्ही से बाइक पर सवार होकर सलका जा रहे थे। इसी दौरान राजापुर बाजार के आगे मुख्य मार्ग पर उनकी बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे रखे सीमेंट के ढेर से टकरा गई। हादसे में उनके सिर पर गंभीर चोट आई। स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें 108 एंबुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रामानुजनगर पहुंचाया गया। जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर पंचनामा कार्रवाई की और मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

10 जून को अंबिकापुर में निकलेगी विशाल नशा मुक्ति जन-जागरण रैली,राज्यपाल और मुख्यमंत्री के नाम सौंपा जाएगा ज्ञापन

संभागभर से जुटेंगे हजारों अनुयायी,नशामुक्त समाज के लिए जनजागरण अभियान को मिलेगी गति

-संवाददाता-

अम्बिकापुर,07 जून 2026 (घटती-घटना)। नशामुक्त समाज के निर्माण और जनजागरूकता के उद्देश्य से राजमोहनी देवी सेवा संस्थान के नेतृत्व में 10 जून 2026 को अंबिकापुर में विशाल नशा मुक्ति संदेश एवं जन-जागरण रैली का आयोजन किया जाएगा। रैली के उपरांत महामहिम राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री छत्तीसगढ़ शासन के नाम ज्ञापन भी सौंपा जाएगा। इस संबंध में जनजाति गौरव समाज के प्रदेश महामंत्री राम लखन सिंह पैकरा ने जानकारी देते हुए बताया कि 7 जून को अंबिकापुर स्थित माता राजमोहनी देवी सभा भवन में तैयारी बैठक आयोजित की गई। बैठक में कार्यक्रम की रूपरेखा, रैली मार्ग तथा जनसंपर्क अभियान को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। उन्होंने बताया कि संभाग के विभिन्न जिलों से लगभग दो हजार की संख्या में माता राजमोहनी देवी एवं संत गहिरा गुरु के अनुयायी, जनजाति गौरव समाज के पदाधिकारी तथा कार्यकर्ता कार्यक्रम में शामिल होंगे। रैली माता राजमोहनी देवी सभा भवन से प्रारंभ होकर कलेक्टर कार्यालय तक पहुंचेगी, जहां सरगुजा कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा जाएगा। बैठक में वक्ताओं ने कहा कि नशे की बढ़ती प्रवृत्ति समाज और युवाओं के भविष्य के लिए गंभीर चुनौती बनती जा रही है। ऐसे में व्यापक जनजागरण और सामाजिक सहभागिता के माध्यम से लोगों को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करना आवश्यक है। इसी उद्देश्य को लेकर यह अभियान संचालित किया जा रहा है। कार्यक्रम की तैयारियों को अंतिम रूप देने के लिए आयोजित बैठक में संस्थान के अध्यक्ष अमित सिंह मरावी, राम लखन सिंह पैकरा, सुदामा प्रसाद आयाम,दोहन प्रसाद नेताम,धनी सिंह,रामकरण सिंह, नंदू सिंह कमरों,लक्ष्मण सिंह आयाम, हरिहर अर्जुन, शंकर सिंह, दुलार सिंह,विश्वनाथ टेकाम, विनोद सिंह,छत्तर साय तथा भागवत सिंह टेकाम सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। आयोजकों ने समाज के सभी वर्गों से अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर नशामुक्ति अभियान को सफल बनाने की अपील की है।

संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल के निर्देश पर सरगुजा संभाग में 'आकार-2026' का आयोजन

उदयपुर और लखनपुर में 8 से 14 जून तक चलेगा पारंपरिक शिल्प एवं कला प्रशिक्षण शिविर,युवाओं को मिलेगा लोक कलाओं का प्रशिक्षण

-संवाददाता-

अम्बिकापुर,07 जून 2026 (घटती-घटना)। संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल के निर्देश पर छत्तीसगढ़ की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, लोक कलाओं और पारंपरिक शिल्प के संरक्षण एवं संवर्धन के उद्देश्य से संस्कृति विभाग द्वारा 'आकार-2026' पारंपरिक शिल्प एवं विविध कला प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर 8 जून से 14 जून 2026 तक सरगुजा संभाग के उदयपुर और लखनपुर में आयोजित होगा। कार्यक्रम का उद्देश्य नई पीढ़ी को प्रदेश की लोक कला परंपराओं से जोड़ना तथा उनमें पारंपरिक शिल्प और कला के प्रति रुचि विकसित करना है। संस्कृति विभाग द्वारा आयोजित इस विशेष प्रशिक्षण शिविर में प्रतिभागियों को नृत्य,नाटक, वाद्ययंत्र, चित्रकला, क्ले आर्ट, म्यूरल आर्ट,हस्तकढ़ाई,ड्राई फ्लावर आर्ट, कोरिया कला,रजवार मिट्टी चित्र,मेहंदी,मृदा शिल्प,गोदना कला और बांस शिल्प सहित कुल 14 पारंपरिक कला विधाओं का प्रशिक्षण दिया जाएगा।

छत्तीसगढ़ न्यायिक कर्मचारी संघ जिला शाखा अम्बिकापुर
(कार्यालय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायालय परिसर अम्बिकापुर)

/ / संक्षिप्त निविदा आमंत्रण सूचना / /

कार्यालय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अम्बिकापुर के परिसर में वाहन स्टैण्ड चलाने के इच्छुक एवं सक्षम निविदाकर्ता से बंद लिफाफा में शर्तानुसार निविदा निर्धारित प्रपत्र अनुसंलग्नक- ए में आमंत्रित है। चाहन स्टैण्ड संचालन हेतु इच्छुक व्यक्ति / संस्थान उक्त व्यवसाय संचालन हेतु निविदा के प्रारूप एवं शर्तों के विस्तृत जानकारी कार्यालय नोटिस बोर्ड पर या जिला न्यायालय अम्बिकापुर के वेबसाईट https://surguja.dcourts.gov.in से प्राप्त कर सकते हैं।

निविदा जमा करने की प्रारंभिक तिथि- 08.06.2026
निविदा जमा करने की अंतिम तिथि - 18.06.2026
निविदा खोले जाने की तिथि - 19.06.2026
निविदा खोले जाने का स्थान - अध्यक्ष, संचालन समिति या वरिष्ठ न्यायाधीश जिला न्यायालय परिसर अम्बिकापुर।

अध्यक्ष
छत्तीसगढ़ न्यायिक कर्मचारी संघ
जिला शाखा अम्बिकापुर छ0ग0

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा.

रा.प्र.क्र./अ-20(3)/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदिका श्रीमती किरण वर्मा पत्नी स्व0 राजेन्द्र प्रसाद वर्मा, जाति कायस्थ, निवासी महामाया रोड़ अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा अपने स्वामित्व की शीट नम्बर -04 मोहल्ला- बौरीपारा, नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल भूखण्ड क्रमांक 2038/6 रकबा 0.22 एकड़ भूमि में से रकबा 0.11 एकड़ भूमि को अनावेदक / केता सुभाष कुमार अग्रवाल आ0 स्व0 सीता राम अग्रवाल, जाति अग्रवाल, निवासी बंगाली चौक बौरीपारा, अम्बिकापुर, जिला सरगुजा के पास बिकय करने की अनापत्ति प्रमाण पत्र हेतु मेन्टनेन्स खसरा प्रतिलिपि, शपथ पत्र सहित आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 17.06.2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा।

आज दिनांक-03.06.2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

(सील) नजूल अधिकारी ,अंबिकापुर

C M Y K

सीईओ की बात नहीं मानी,फिर भी बढ़ गई जिम्मेदारी!

आखिर कितनी महकती है 'चंदन' की खुशबू?

■ चंदन की खुशबू इतनी असरदार कि शिकायतों पर भी प्रमोशन की फुहार!

■ सीईओ की बात टली, नोटिसों की चर्चा चली,फिर भी बढ़ गई जिम्मेदारी, आखिर किस इत्र से महक रहा है मनरेगा का सिस्टम?

■ शिकायतों का इनाम,चंदन को मिला बड़ा प्रभार, मनरेगा में खुशबू का असर या संरक्षण का कमाल?

■ मनरेगा में चंदन की महक, नोटिसों के साए में बढ़ा रुतबा, सवालों के बीच मिला नया ताज

■ 83 लाख का हक,94 लाख का हिसाब! चंदन के गणित पर सवाल,फिर भी बढ़ गया अधिकार

■ फाइलों पर खुशबू,आदेशों पर खामोशी! चंदन के बढ़ते प्रभाव पर उठे नए सवाल

■ चंदन की खुशबू या सिस्टम की बदबू? जिला पंचायत के आदेश ने खड़े किए कई सवाल

■ नोटिस से नहीं,नए प्रभार से नवाजे गए चंदन सिंह! मनरेगा में आखिर चल क्या रहा है?

■ एक करोड़ सड़सठ लाख का गणित और बढ़ता रुतबा...मनरेगा में चंदन की कहानी अभी बाकी है...

■ 120 पंचायतें परेशान,एक कर्मचारी मालामाल! मनरेगा के 'चंदन राज' पर उठी जांच की मांग

आखिर कौन है इतना ताकतवर?

■ आरोप, शिकायत, नोटिस...और फिर प्रमोशन! कोरिया की मनरेगा में मनरेगा का महकता महारथी,सवाल बढ़ते गए, जिम्मेदारियां भी बढ़ती गईं...

-रवि सिंह-

कोरिया,07 जून 2026 (घटती-घटना)। कोरिया जिले की मनरेगा व्यवस्था इन दिनों रोजगार सृजन से ज्यादा एक ऐसी खुशबू की वजह से चर्चा में है जो प्रशासनिक गलियारों से लेकर पंचायतों तक फैल चुकी है,यह खुशबू किसी महंगे परफ्यूम की नहीं, बल्कि उस प्रभाव की बताई जा रही है जिसके सामने शिकायतें भी फीकी पड़ जाती हैं,आरोप भी बौने साबित हो जाते हैं और जिम्मेदारियां कम होने के बजाय बढ़ती चली जाती हैं।

बैकुंठपुर जनपद पंचायत में सहायक प्रोग्रामर के पद पर पदस्थ चंदन को 27 मई को एक नया प्रशासनिक उपहार मिला,अब वे सिर्फ जनपद स्तर तक सीमित नहीं रहे, बल्कि उन्हें मूल दायित्वों के साथ जिला स्तर पर कंप्यूटर प्रोग्रामर के कार्यों का अतिरिक्त प्रभार भी सौंप दिया गया,आदेश निकलते ही पूरे जिले में चर्चा शुरू हो गई कि आखिर ऐसा कौन सा असाधारण प्रदर्शन रहा जिसके कारण विवादों के बीच जिम्मेदारियां बढ़ाने का निर्णय लिया गया,सबसे बड़ा सवाल यह है कि जिस कर्मचारी की कार्यप्रणाली को लेकर वर्षों से पंचायत प्रतिनिधि, सचिव, रोजगार सहायक और यहां तक कि विभागीय अधिकारी तक सवाल उठाते रहे हों, उसे अतिरिक्त अधिकार देना आखिर किस प्रशासनिक दर्शन का हिस्सा है?

शिकायतों का रिकॉर्ड लंबा, लेकिन आशीर्वाद उससे भी लंबा...

मनरेगा के भुगतान, एफटीओ प्रक्रिया,एमआईएस संचालन और पंचायतों के कार्यों में कथित हस्तक्षेप को लेकर चंदन का नाम पहले भी कई बार चर्चाओं में रहा है,पंचायत प्रतिनिधियों का आरोप रहा है कि भुगतान प्रक्रिया में अनावश्यक विलंब किया जाता है और कई बार नियमों की ऐसी व्याख्या की जाती है जो फाइल के अनुसार बदलती दिखाई देती है, आरोप लगाने वालों का कहना है कि कुछ फाइलों में छोटी-सी त्रुटि भी हिमालय जैसी बन जाती है,जबकि कुछ मामलों में बड़ी कमियां भी नजरअंदाज हो जाती हैं,यही कारण है कि पंचायतों के बीच एक व्यंग्यात्मक कहावत चल पड़ी है–मनरेगा पोर्टल से ज्यादा महत्वपूर्ण वह कुर्सी है जहां से पोर्टल संचालित होता है, लेकिन आश्चर्यजनक बात यह है कि जितने सवाल बढ़े,उतनी ही जिम्मेदारियां भी बढ़ती चली गईं।

1 करोड़ 67 लाख का गणित और 11 लाख का सवाल...

सूत्रों से सामने आई जानकारी के अनुसार मनरेगा सामग्री भुगतान के लिए लगभग 1 करोड़ 67 लाख रुपये का एफटीओ जारी हुआ था,यह राशि सोनहत और बैकुंठपुर जनपद पंचायत के बीच बराबर-बराबर बांटी जानी थी,सरल गणित कहता है कि दोनों जनपदों को लगभग 83 लाख 50 हजार रुपये मिलने चाहिए थे,लेकिन यहीं से शुरू होती है वह कहानी जिसने कई लोगों की भौंहें तान दी हैं,बताया जा रहा है कि सोनहत को लगभग 83 लाख रुपये मिले,जबकि बैकुंठपुर के हिस्से में करीब 94 लाख रुपये पहुंच गए,अब सवाल यह है कि यदि कुल राशि 1 करोड़ 67 लाख थी और वितरण बराबर होना था,तो फिर बैकुंठपुर के हिस्से में अतिरिक्त लगभग 11 लाख रुपये कहां से आ गए? क्या यह तकनीकी त्रुटि थी? क्या कोई प्रशासनिक आदेश था? क्या किसी स्तर पर राशि पुनर्वितरित की गई? या फिर गणित का कोई नया सूत्र विकसित हुआ जिसे अभी तक विद्यालयों में पढ़ाया नहीं गया? इन सवालों का स्पष्ट उत्तर आज तक सामने नहीं आया है।

नोटिस कार्यक्रम अधिकारी को, लेकिन ताकत किसी और की बढ़ी...

सूत्र बताते हैं कि इस पूरे मामले को लेकर कार्यक्रम अधिकारी जितेंद्र राजवाड़े को नोटिस भी जारी किया गया था,हालांकि नोटिस के बाद क्या कार्रवाई हुई,उसका परिणाम क्या रहा,यह जानकारी सार्वजनिक रूप से सामने नहीं आई, लेकिन लोगों को सबसे ज्यादा हैरानी इस बात पर है कि यदि भुगतान प्रक्रिया में अनियमितता की आशंका थी,यदि नोटिस जारी हुआ था,यदि विभागीय स्तर पर प्रश्न उठे थे,तो फिर उसी व्यवस्था के प्रमुख पात्र माने जा रहे व्यक्ति की शक्तियां बढ़ाने की आवश्यकता क्यों महसूस हुई? यह प्रश्न अब पंचायतों में खुलकर पूछा जाने लगा है।

सीईओ की बात भी हल्की पड़ गई?

जिला पंचायत स्तर पर यह चर्चा भी जोरों पर है कि कुछ मामलों में जिला पंचायत सीईओ द्वारा स्वयं फोन कर निर्देश दिए गए थे,बताया जाता है कि कुछ शिकायतों के बाद सीईओ को हस्तक्षेप करना पड़ा था,लेकिन आरोप यह है कि उन निर्देशों को अपेक्षित गंभीरता नहीं मिली, यदि यह चर्चा सही है तो फिर प्रश्न और गंभीर हो जाता है,आखिर वह कौन सी प्रशासनिक मजबूरी है जिसके कारण निर्देशों की कथित अवहेलना करने वाले कर्मचारी को बाद में और बड़ा दायित्व सौंप दिया जाता है? क्या यह उत्कृष्ट कार्य का पुरस्कार है? या फिर कोई ऐसी अदृश्य शक्ति काम कर रही है जिसे सामान्य कर्मचारी समझ ही नहीं सकते?

अब जिला स्तर पर बैठेगा डिजिटल दरबार?

नए आदेश के बाद सबसे ज्यादा चिंता वेंडर चयन को लेकर जताई जा रही है,मनरेगा के विभिन्न कार्यों में सामग्री आपूर्ति और संबंधित प्रक्रियाओं में वेंडरों की भूमिका महत्वपूर्ण होती है,आरोप लगाने वालों का कहना है कि अब जिला स्तर पर अतिरिक्त जिम्मेदारी मिलने के बाद चंदन का प्रभाव और बढ़ जाएगा,चर्चा यह भी है कि कौन वेंडर बनेगा,किसे अवसर मिलेगा और किसकी फाइल आगे बढ़ेगी–इन मामलों में उनका प्रभाव और मजबूत हो सकता है,हालांकि यह सभी आरोप हैं और इनकी निष्पक्ष जांच आवश्यक है,लेकिन यदि ऐसी चर्चाएं लगातार सामने आ रही हैं तो प्रशासन का दायित्व बनता है कि स्थिति स्पष्ट करे।

कोरिया में मनरेगा,फायदा एमसीबी को?

कुछ पंचायत प्रतिनिधियों का आरोप है कि चंदन सिंह स्वयं एमसीबी जिले से आते हैं और कथित रूप से वहां के लोगों को कोरिया जिले में वेंडर के रूप में अवसर दिलाने में विशेष रुचि दिखाते हैं,यदि यह आरोप गलत हैं तो उनका खंडन होना चाहिए, यदि सही हैं तो यह गंभीर जांच का विषय है, क्योंकि किसी भी जिले की योजनाओं में स्थानीय हितों की उपेक्षा और बाहरी प्रभाव का प्रश्न प्रशासनिक निष्पक्षता पर सीधा सवाल खड़ा करता है।

कार्यक्रम अधिकारी बेबस,पंचायतें परेशान...

जानकारों का कहना है कि कार्यक्रम अधिकारी के पद पर बैठे अधिकारी भी कई बार स्थिति को नियंत्रित नहीं कर पाते,यदि यह धारणा प्रशासनिक तंत्र के भीतर बन चुकी है कि एक सहायक प्रोग्रामर की पकड़ इतनी मजबूत है कि अधिकारी भी असहज महसूस करें,तो यह किसी एक व्यक्ति का नहीं बल्कि पूरी व्यवस्था का प्रश्न बन जाता है, व्यवस्था तब तक स्वस्थ नहीं मानी जा सकती जब तक अधिकार और जवाबदेही का संतुलन बना न रहे।

खुशबू आखिर जाती कहां तक है?

जनपद और जिला मुख्यालय में इन दिनों सबसे ज्यादा पूछा जाने वाला सवाल यही है, यदि शिकायतें हैं, आरोप हैं, नोटिस हैं, विवाद हैं,चर्चाएं हैं, फिर भी जिम्मेदारियां बढ़ रही हैं तो आखिर ऐसा कौन सा तत्व है जो हर नकारात्मक परिस्थिति को सकारात्मक आदेश में बदल देता है? लोग व्यंग्य में कहते हैं कि सामान्य कर्मचारी शिकायत मिलने पर स्पष्टीकरण देता है, लेकिन कुछ विशेष कर्मचारी शिकायत मिलने पर अतिरिक्त प्रभार प्राप्त कर लेते हैं, यही वजह है कि अब लोग इसे चंदन की खुशबू नहीं बल्कि प्रभाव का परफ्यूम कहने लगे हैं।

जांच हुई तो खुल सकती हैं कई परते...

इस पूरे मामले में सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि आरोपों की सत्यता का निर्धारण केवल जांच से ही संभव है, जिला प्रशासन को यह देखना होगा कि किस आधार पर अतिरिक्त जिम्मेदारी दी गई? एफटीओ वितरण में वास्तविक स्थिति क्या थी? क्या भुगतान प्रक्रिया में कोई अनियमितता हुई? क्या वेंडर चयन को लेकर लगाए जा रहे आरोपों में तथ्य हैं? क्या सीईओ के निर्देशों की अनदेखी हुई थी? और सबसे महत्वपूर्ण, क्या मनरेगा जैसी महत्वपूर्ण योजना का संचालन नियमों के अनुसार हो रहा है? क्योंकि मनरेगा का पैसा किसी अधिकारी, कर्मचारी, प्रोग्रामर या वेंडर का नहीं है,यह उस मजदूर का पैसा है जो तपती धूप में काम करता है और शाम को इस उम्मीद के साथ घर लौटता है कि उसकी मजदूरी समय पर मिलेगी, लेकिन यदि मजदूर की मजदूरी से ज्यादा चर्चा किसी कर्मचारी की खुशबू की होने लगे,तो समझ लेना चाहिए कि व्यवस्था में कहीं न कहीं इत्र की मात्रा जवाबदेही से ज्यादा हो गई है।

अधिकारियों/कर्मचारियों का पक्ष प्राप्त होने पर उसे भी प्रकाशित किया जाएगा...

समाचार में वर्णित आरोप विभिन्न सूत्रों,पंचायत प्रतिनिधियों और विभागीय चर्चाओं पर आधारित हैं,आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि एवं संबंधित अधिकारियों/कर्मचारियों का पक्ष प्राप्त होने पर उसे भी प्रमुखता से प्रकाशित किया जाएगा...

बरसात आते ही टापू बन जाता है गिधेर,विकास के दावों के बीच आदिवासी आज भी बदहाली की सजा भुगत रहे...
सड़क नहीं,पुल नहीं,स्वास्थ्य नहीं,शिक्षा नहीं,स्वच्छ पानी नहीं...आखिर किस विकास की बात कर रहे हैं जिम्मेदार?

राजन पाण्डेय

कोरिया,07 जून 2026 (घटती-घटना)। छत्तीसगढ़ में विकास के दावे अक्सर बड़े-बड़े मंचों से सुनाई देते हैं,करोड़ों रुपये की योजनाओं के विज्ञापन अखबारों और सोशल मीडिया में छाए रहते हैं। गांव-गांव विकास पहुंचाने की बातें होती हैं, लेकिन यदि इन दावों की असलियत देखनी हो तो कोरिया जिले के सोनहत विकासखंड के वनांचल क्षेत्रों का एक चक्कर काफी है। यहां पहुंचते ही विकास के तमाम दावे उसी तरह टूटे हुए दिखाई देते हैं जैसे ग्राम गिधेर का वह पुल,जो पिछले 12 वर्षों से खंडहर बना खड़ा है।

यह सिर्फ एक टूटा पुल नहीं है,यह प्रशासनिक उदासीनता का प्रतीक है,यह उन वादों का स्मारक है जो चुनावों के दौरान किए गए और फिर भुला दिए गए,यह उस व्यवस्था का आईना है जो हर चुनाव में आदिवासियों के घर तक पहुंचती है, लेकिन उनकी समस्याओं तक नहीं,सोनहत विकासखंड की ग्राम पंचायत चंदहा का आश्रित ग्राम गिधेर आज भी ऐसी परिस्थितियों में जीवन जी रहा है, जिसे देखकर यह विश्वास करना मुश्किल हो जाता है कि देश आजादी के 79वें वर्ष में प्रवेश कर चुका है।

बरसात का नाम सुनते ही क्यों कांप उठते हैं ग्रामीण?

गिधेर में लगभग 30 से अधिक आदिवासी परिवार निवास करते हैं,इन परिवारों की जिंदगी का सबसे बड़ा संकट वह पुल है जो करीब 12 साल पहले क्षतिग्रस्त हुआ था और आज पूरी तरह जर्जर होकर उपयोग के लायक नहीं बचा है,गांव के शिव प्रसाद, सियाराम,ईश्वर,नंदलाल, राम मनोहर,सुरेश कुमार,मेहीलाल और बसंत बताते हैं कि गर्मी खत्म होते ही उनकी चिंता बढ़ने लगती है,आसमान में बादल दिखाई देते हैं तो मन में डर बैठ जाता है, कारण साफ है–बरसात शुरू होते ही नदी उफान पर आ जाती है और गांव का संपर्क बाहरी दुनिया से पूरी तरह टूट जाता है, ग्रामीण बताते हैं कि बरसात के चार से छह महीने तक गिधेर एक टापू में बदल जाता है,कोई वाहन गांव तक नहीं पहुंच सकता, बच्चे स्कूल नहीं जा पाते। बीमार मरीज अस्पताल नहीं पहुंच पाते और गर्भवती महिलाओं के लिए हर दिन किसी परीक्षा से कम नहीं होता।

बीमारी का मतलब–जिंदगी और मौत के बीच संघर्ष

जब शहरों में लोग एम्बुलेंस सेवा की गुणवत्ता पर बहस कर रहे होते हैं, तब गिधेर के लोग आज भी यह सोचकर डरते हैं कि अगर रात में कोई बीमार पड़ गया तो क्या होगा? ग्रामीणों के अनुसार बरसात के दौरान यदि किसी व्यक्ति की तबीयत बिगड़ जाए तो उसे खाट पर लिटाकर नदी पार कराने की कोशिश की जाती है। कई बार तेज बहाव के कारण ऐसा करना भी संभव नहीं होता,गर्भवती महिलाओं की स्थिति और अधिक गंभीर हो जाती है। प्रसव पीड़ा के समय अस्पताल तक पहुंचना किसी युद्ध से कम नहीं होता, कई बार लोग भगवान भरोसे ही हालात का सामना करते हैं।

राशन लेने के लिए भी करनी पड़ती है जान की बाजी

सरकार खाद्यान्न सुरक्षा की बात करती है,लेकिन गिधेर के लोगों के लिए राशन प्राप्त करना भी एक संघर्ष है,ग्रामीण बताते हैं कि राशन लेने के लिए कई किलोमीटर दूर जाना पड़ता है,फिर राशन को कंधे पर लादकर नदी पार करनी पड़ती है,बरसात में यह काम और भी खतरनाक हो जाता है, कई बार राशन पानी में भीगकर खराब हो जाता है। लेकिन गरीब परिवारों के पास कोई दूसरा विकल्प नहीं होता,यह विडंबना ही है कि जिस देश में खाद्यान्न वितरण को डिजिटल और पारदर्शी बनाने की बात हो रही है, वहां कुछ लोग आज भी राशन की एक बोरी घर तक लाने के लिए अपनी जान जोखिम में डाल रहे हैं।

प्रधानमंत्री आवास योजना भी बन गई मुसीबत...

गांव के लोगों को प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ तो मिला, लेकिन घर बनाना भी उनके लिए चुनौती बन गया,निर्माण सामग्री लेकर आने वाले वाहन नदी के पास पहुंचते ही कीचड़ और मलबे में फंस जाते हैं। कई बार पूरा दिन गाड़ी निकालने में लग जाता है,ग्रामीण स्वयं श्रमदान कर वाहनों को निकालते हैं। इसके बाद कहीं जाकर निर्माण सामग्री गांव तक पहुंच पाती है,ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि जब मूलभूत आवागमन की व्यवस्था ही नहीं है तो विकास योजनाएं जमीन पर कैसे सफल होंगी?

गिधेर अकेला नहीं,पूरा इलाका उपेक्षा का शिकार...

गिधेर की कहानी अकेली नहीं है,चंदहा के समीप स्थित नवाटोला पंचायत के देवतीडांड,हर्राडी और शेराडांड़ गांव भी वर्षों से समस्याओं से जूझ रहे हैं, इन गांवों में सड़कें बदहाल हैं,पेयजल संकट गंभीर है और स्वास्थ्य सुविधाएं नाममात्र की हैं,ग्रामीणों को झरिया और नालों का पानी पीना पड़ता है,हैंडपंपों से निकलने वाला लाल और दूषित पानी बीमारी का कारण बन रहा है,मासूम बच्चों के स्वास्थ्य पर इसका सीधा असर पड़ रहा है,लेकिन जिम्मेदार विभागों की नजर अब तक इन समस्याओं पर नहीं पड़ी।

कांटो गांव–जहां लोकतंत्र तो पहुंचा,विकास नहीं...

बंशीपुर पंचायत का आश्रित ग्राम कांटो इस पूरे क्षेत्र की सबसे मार्मिक तस्वीर प्रस्तुत करता है,ब्लॉक मुख्यालय से लगभग 70 किलोमीटर दूर बसे इस गांव में मात्र 25 लोग रहते हैं,यहां मतदान केंद्र है, चुनाव के समय अधिकारी और कर्मचारी पहुंच जाते हैं,लोकतंत्र अपना कर्तव्य निभा देता है,लेकिन विकास आज तक रास्ता नहीं ढूंढ पाया,गांव में स्कूल नहीं है,आंगनबाड़ी किराए के कच्चे मकान में संचालित होती है, राशन लेने के लिए ग्रामीणों को 25 किलोमीटर दूर जाना पड़ता है,आने-जाने में लगभग 60 किलोमीटर की दूरी तय करनी पड़ती है,बरसात में यह गांव भी दुनिया से कट जाता है।

पूर्व विधायक ने दिखाई थी उम्मीद...

ग्रामीणों के अनुसार पूर्व विधायक गुलाब कमरो उन गिने-चुने जनप्रतिनिधियों में रहे जिन्होंने इन सुदूर गांवों तक पहुंचकर लोगों की समस्याएं सुनीं,उनके प्रयासों से नवाटोला और देवतीडांड के बीच एक पुल का निर्माण हुआ तथा दूसरा पुल स्वीकृत होकर निर्माणाधीन है, लेकिन ग्रामीणों का कहना है कि जब तक गिधेर में नया पुल नहीं बनता और हर्राडी क्षेत्र में आवश्यक पुल निर्माण नहीं होता, तब तक क्षेत्र की वास्तविक समस्या समाप्त नहीं होगी।

गिधेर की आवाज बने पुष्पेंद्र राजवाड़े

हाल ही में कोरिया जन सहयोग समिति के अध्यक्ष पुष्पेंद्र राजवाड़े गांव पहुंचे और उन्होंने ग्रामीणों की समस्याओं को नजदीक से देखा,उन्होंने कहा कि आधुनिक युग में भी लोगों को ऐसी परिस्थितियों में जीवन जीना पड़ रहा है,यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है, उन्होंने प्रशासन के समक्ष इस मुद्दे को उठाने और नए पुल निर्माण की मांग करने का आश्वासन दिया।

राजनीतिक बयान बहुत,समाधान कब?

स्थानीय ग्रामीण नंदकिशोर का कहना है कि 12 वर्षों से केवल आश्वासन ही मिल रहे हैं,कांग्रेस नेता अनित दुबे ने पुल निर्माण के लिए अभियान चलाने की बात कही है, भाजपा नेता समय लाल कमलवंशी ने मुख्यमंत्री को मांग पत्र भेजने की घोषणा की है,वहीं पूर्व जिला पंचायत सदस्य ज्योत्स्ना राजवाड़े ने सांसद और प्रशासन को पत्र लिखकर पुल निर्माण की मांग उठाई है,लेकिन ग्रामीण पूछ रहे हैं कि आखिर पत्रों और बयानों से पुल कब बनेगा?

अब फैसला शासन को करना है...

मानसून दस्तक देने वाला है, कुछ ही दिनों बाद नदी फिर उफान पर होगी, गिधेर फिर टापू बन जाएगा, बच्चे फिर स्कूल से दूर हो जाएंगे, मरीज फिर अस्पताल से कट जाएंगे,गर्भवती महिलाओं की चिंता फिर बढ़ जाएगी,सवाल सिर्फ एक पुल का नहीं है, सवाल उन नागरिकों का है जो आज भी विकास के इंतजार में हैं,सवाल उन आदिवासी परिवारों का है जो हर चुनाव में लोकतंत्र को मजबूत करते हैं लेकिन बदले में उन्हें टूटा पुल, जर्जर सड़क और अधूरी सुविधाएं मिलती हैं,अब देखना यह है कि क्या इस बार शासन-प्रशासन और जनप्रतिनिधि बरसात से पहले कोई ठोस कदम उठाते हैं या फिर गिधेर के लोग एक और वर्ष उसी दर्द,उसी डर और उसी उपेक्षा के साथ बिताने को मजबूर होंगे,क्योंकि 12 वर्षों से टूटा पुल अब केवल कंक्रीट का ढांचा नहीं रह गया है,वह व्यवस्था से जवाब मांगता एक जीवंत प्रश्न बन चुका है–आखिर गिधेर तक विकास कब पहुंचेगा?

देर रात गुंडागर्दी का तांडव,एएसआई के बेटे को बोलेरो से कुचला गंभीर हालत में अपोलो रीफर,पत्रकार का अपहरण कर बेरहमी से पीटा...

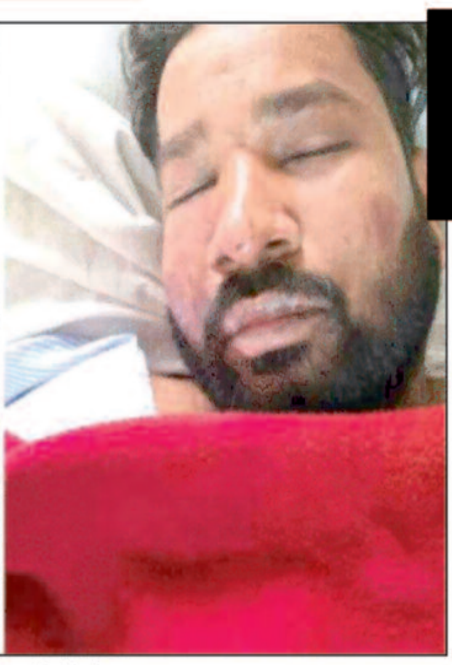

-संवाददाता-
कोरबा,07 जून 2026 (घटती-घटना)। शहर में शनिवार-रविवार की दरम्यानी रात सनसनीखेज घटनाक्रम सामने आया है। अज्ञात युवकों के एक समूह ने पहले एक सहायक उप निरीक्षक के पुत्र को बोलेरो वाहन से कुचल दिया, वहीं पीछा कर रहे युवा पत्रकार का कथित तौर पर अपहरण कर उसके साथ मारपीट की गई। घायल पत्रकार से नकदी और कीमती सामान लूटे जाने का भी आरोप है। दोनों घायलों का अस्पताल में उपचार जारी था लेकिन गंभीर रूप से घायल चंद्रमणि रात्रे को अपोलो रेफर किया गया है प्रारंभिक जानकारी के अनुसार,रात करीब 1 बजे बुधवारी बाईपास मार्ग पर कुछ युवक कार में बैठे बातचीत कर रहे थे। इसी दौरान एक बोलेरो वाहन वहां पहुंचा और रास्ता खाली होने के बावजूद वाहन हटाने को लेकर विवाद शुरू हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बहस के दौरान ASI रामनारायण रात्रे के पुत्र चंद्रमणि रात्रे (दादू) वाहन से बाहर निकले, तभी बोलेरो चालक ने कथित तौर पर तेज रफ्तार में वाहन बढ़ाकर उन्हें टक्कर मार दी और फरार हो गया।

पत्रकार ने किया पीछा...रास्ते में घेरकर हमला...

घटना के बाद युवा पत्रकार अरविंद राठौर और उनके साथी साहिल निर्मलकर स्कूटी से बोलेरो का पीछा करने लगे। आरोप है कि एनटीपीसी मार्ग होते हुए बलगी मोड़ के पास हमलावरों ने अपने अन्य साथियों को बुला लिया। वहां पत्रकार को स्कूटी से नीचे गिराकर जबरन वाहन में बैठाया गया और सुनसान स्थान पर ले जाया गया।

25-30 युवकों ने की मारपीट,फायरिंग का भी आरोप...

पीड़ित पक्ष के अनुसार बलगी क्षेत्र में 25 से 30 युवकों ने लाठी-डंडों से हमला किया। इस दौरान एक युवक ने पिस्टलनुमा हथियार कनपटी पर तान दिया तथा हवा में फायरिंग की। मारपीट में गंभीर रूप से घायल पत्रकार को हमलावर मृत समझकर मौके पर छोड़कर फरार हो गए। घायल पत्रकार का आरोप है कि हमलावरों ने उनके पास रखे करीब एक लाख रुपये,आईफोन,सोने की अंगूठी और सोने की चेन भी छीन ली।

होश आने पर साथियों को दी जानकारी

कुछ समय बाद होश में आने पर पत्रकार ने दूसरे मोबाइल से अपने साथियों को सूचना दी। साथी मौके पर पहुंचे और उन्हें अस्पताल पहुंचाया। बताया जा रहा है कि अस्पताल में ASI के पुत्र का भी उपचार चल रहा था लेकिन हालत गंभीर होने के चलते अपोलो रेफर किया गया है फिलहाल कोरबा पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी के निर्देश पर पुलिस जांच में जुटी है और आरोपियों की तलाश जारी है

फ़िल्म सूचियां और थिएटर शो का समय

घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस अधिकारी सक्रिय हुए और बुधवारी बाईपास से लेकर बलगी मोड़ तक जांच शुरू की गई। पुलिस को कुछ अहम सुराग मिलने की जानकारी है। कुछ संदेहों को पुलिस में हिरासत में भी लिया है धिकारियों का कहना है कि आरोपियों की पहचान और गिरफ्तारी के बाद पूरे घटनाक्रम की वास्तविक वजह सामने आ सकेगी।

सुष्मिता सेन संग अफेयर के दिनों पर विक्रम भट्ट का खुलासा,बोले...एक्स गर्लफ्रेंड से कड़वाहट नहीं

विक्रम भट्ट ने खुलासा किया कि जब वे सुष्मिता सेन को डेट कर रहे थे तब उनके पास जहर खाने तक के पैसे नहीं थे। विक्रम भट्ट ने अपनी जिंदगी के उस दौर को याद किया है जब वे बॉलीवुड के बड़े स्टार्स को डायरेक्ट कर रहे थे और दुनिया की सबसे मशहूर ब्यूटी क्वीन्स में से एक को डेट कर रहे थे, लेकिन पर्दे के पीछे आर्थिक तंगी से जूझ रहे थे।

जहर खाने तक के पैसे नहीं थे : विक्रम भट्ट

हाल ही में एक इंटरव्यू में,फिल्ममेकर ने पूर्व मिस यूनिवर्स सुष्मिता सेन के साथ अपने रिश्ते के बारे में बात की और बताया कि फिल्म इंडस्ट्री में अपनी बढ़ती पहचान के बावजूद, उन्हें पैसे की कमी का सामना करना पड़ रहा था।

विक्रम ने कहा,मैं एक संघर्ष कर रहा डायरेक्टर था। मेरे पास जहर खाने के भी पैसे नहीं थे। मैं आमिर खान को डायरेक्ट कर रहा था और मिस यूनिवर्स को डेट कर रहा था, लेकिन मेरे पास पैसे नहीं थे। मैं पूरी तरह कंगाल हो चुका था। मुझे याद है कि मेरे पास एक सीडी खरीदने के भी पैसे नहीं थे। मैंने एक फकीर की तरह जिंदगी जी है।

उसी दौरान, विक्रम 1998 की एक्शन ड्रामा फिल्म गुलाम (जिसमें आमिर खान और रानी मुखर्जी थे) को डायरेक्ट कर रहे थे और साथ ही सुष्मिता सेन के साथ अपने रिश्ते को लेकर भी चर्चा में थे।

दस्तक फिल्म के दौरान हुई थी दोनों की मुलाकात

दोनों की मुलाकात सुष्मिता की पहली फिल्म दस्तक के दौरान हुई थी। 1996 में रिलीज हुई महेश भट्ट की इस साइकोलॉजिकल थ्रिलर फिल्म से ही पूर्व मिस यूनिवर्स ने बॉलीवुड में कदम रखा था। जब उनका रिश्ता शुरू हुआ, तब विक्रम इस फिल्म में महेश भट्ट के असिस्टेंट के तौर पर काम कर रहे थे।

सुष्मिता के लिए नहीं है कोई कड़वाहट

हालांकि दोनों का रोमांस आखिरकार खत्म हो गया,लेकिन विक्रम ने उन लोगों के बारे में अच्छी बातें कहीं जिन्होंने इतने सालों में उन पर असर डाला है। उन्होंने कहा कि उन्हें अपनी किसी भी एक्स-गर्लफ्रेंड के लिए कोई कड़वाहट नहीं है। उन्होंने कहा,जो भी मेरी जिंदगी में आया, उसने कुछ न कुछ अच्छा ही किया। जब मैं पीछे मुड़कर देखता हूं, तो मुझे अपनी जिंदगी के सभी लोगों के लिए प्यार और सम्मान महसूस होता है।

उन्होंने आगे कहा,उन्होंने मुझे हमेशा कुछ न कुछ दिया है। वैसे भी, उनसे छीनने के लिए क्या था? किसी ने मुझे प्यार दिया,किसी ने अपना समय दिया, तो किसी ने जिंदगी का सबक सिखाया। लेकिन उन्होंने मुझे कुछ न कुछ जरूर दिया।

अमीषा पटेल को भी किया था डेट

सुष्मिता के साथ रिश्ते के बाद, विक्रम भट्ट ने बाद में एक्टर अमीषा पटेल को डेट किया।

विक्रम भट्ट के बारे में...

विक्रम भट्ट एक भारतीय डायरेक्टर, प्रोड्यूसर, स्क्रीनराइटर और एक्टर हैं। वे राज फिल्म सीरीज और आमिर खान व रानी मुखर्जी स्टारर फिल्म गुलाम (1998) को डायरेक्ट करने के लिए जाने जाते हैं। इन दोनों फिल्मों के लिए उन्हें बेस्ट डायरेक्टर के फिल्मफेयर अवॉर्ड के लिए नॉमिनेट किया गया था।

सलमान की लेट नाईट पोस्ट पर वरुण ने किया कमेंट...

वरुण धवन इन दिनों अपनी फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' के प्रमोशन में व्यस्त हैं। फिल्म उनके पिता की बतौर डायरेक्टर आखिरी पेशकश है और इसमें मृणाल ठाकुर और पूजा हेगड़े मुख्य भूमिकाओं में हैं। प्रमोशन के दौरान वरुण ने अपने अनुभव साझा करते हुए बॉलीवुड की चमक-दमक के पीछे छिपी वास्तविकताओं और मानसिक दबाव के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि शोहरत और

सफलता के साथ अकेलापन और मानसिक चुनौतियां भी आती हैं, भले ही बाहर से किसी कलाकार की जिंदगी बहुत ग्लैमरस दिखती हो। बातचीत के दौरान सोशल मीडिया और ऑनलाइन सेलेब्रिटीज पर पड़ने वाले दबाव की भी चर्चा हुई। वरुण ने कहा कि सोशल मीडिया ने कलाकारों की जिंदगी को एक नए स्तर पर ले आया है। हर पोस्ट, हर फोटो और हर वीडियो जनता की नजरों में आता है और इसके चलते कलाकारों पर लगातार प्रतिक्रिया और अपेक्षाओं का दबाव बना रहता है। उन्होंने यह स्पष्ट किया कि यह दबाव कभी-कभी मानसिक थकान और अकेलेपन की वजह बन सकता है। वरुण ने इस संदर्भ में सलमान खान का उदाहरण दिया। वरुण ने कहा कि सलमान खान, जो लंबे समय से इंडस्ट्री में हैं और लगातार पब्लिक की नजरों में रहते हैं, हमेशा अपने असली रूप में बने रहते हैं। उनके व्यवहार, उनके अंदाज और उनके फैसले यह दर्शाते हैं कि वह बाहरी दबावों के बावजूद अपनी असलियत को बनाए रखते हैं। वरुण ने हंसते हुए कहा, ÷जब मैं सलमान भाई की रात में पोस्ट्स देखता हूं, तो लगता है वो किसी और ही जोन में जा रहे हैं।÷ इस बयान से यह स्पष्ट होता है कि वरुण सलमान की सहजता और आत्मविश्वास को बहुत सम्मान देते हैं और इसे अपनी प्रेरणा के रूप में देखते हैं।

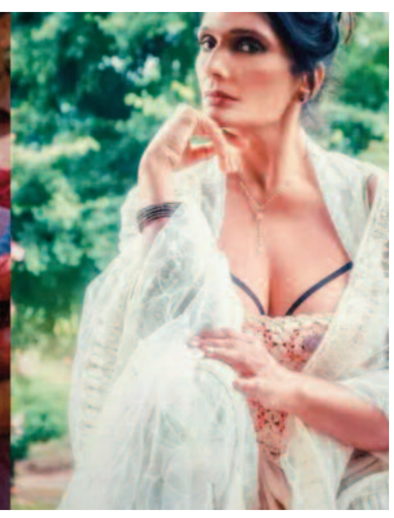

बॉलीवुड में महिलाओं की छवि पर बहस

बॉलीवुड अभिनेत्री जाह्नवी कपूर इन दिनों अपनी नई फिल्म 'पेद्दी' के रिलीज़ होने के बाद चर्चा में हैं। फिल्म को लेकर दर्शकों और समीक्षकों की प्रतिक्रियाएं काफी मिलीजुली हैं,लेकिन सबसे ज्यादा सुर्खियां बटोर रहा है फिल्म के कुछ विवादित सीन, जिसमें जाह्नवी कपूर को लेकर दर्शकों ने आपत्ति जताई है। सूत्रों के अनुसार, फिल्म में जाह्नवी कपूर के कई सीन को दर्शकों ने अत्यधिक सेक्सुअलाइज़्ड बताया है। सोशल मीडिया पर इस मुद्दे को लेकर कई लोग नाराजगी जाहिर कर रहे हैं और फिल्ममेकर्स पर आरोप लगा रहे हैं कि महिलाओं को स्क्रीन पर इस तरह पेश करना सही नहीं है। इस विवाद ने एक बार फिर बॉलीवुड में महिलाओं की छवि और उनके कैरेक्टर को किस तरह दिखाया जाता है, इस पर बहस शुरू कर दी है। फिल्म के रिलीज़ होने के बाद से ही कई फैंस और क्रिटिक्स ने इस मुद्दे पर अपनी राय दी है। उनका कहना है कि फिल्म में महिला किरदारों के लिए जिस तरह के दृश्य बनाए जा रहे हैं, वह केवल मनोरंजन के लिए हैं, लेकिन इससे समाज में महिलाओं के प्रति गलत संदेश भी जा सकता है। वहीं, कुछ लोग यह भी मानते हैं कि स्क्रीन पर रियलिज़्म और कहानी की मांग के तहत ही ऐसे सीन दिखाए गए हैं। इस विवाद पर बॉलीवुड की पूर्व अभिनेत्री अन्नू अग्रवाल ने भी अपनी राय रखी है। उन्होंने कहा कि फिल्म इंडस्ट्री में महिलाओं को किस तरह पेश किया जाता है, यह हमेशा से ही सवालों के घेरे में रहा है। उनके अनुसार,अभिनेत्री की क्षमता और किरदार की गहराई को उनके शारीरिक रूप या सेक्सुअलाइज्ड सीन से नहीं आंका जाना चाहिए। अन्नू अग्रवाल ने कहा कि फिल्ममेकरों को इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि कहानी में जरूरत के अनुसार ही सीन हों,न कि सिर्फ दर्शकों को आकर्षित करने के लिए। विशेषज्ञों का मानना है कि बॉलीवुड में महिलाओं के किरदार अक्सर स्टीरियोटाइप में फंस जाते हैं। इस तरह के विवाद इससे जुड़ी लंबी बहस का हिस्सा हैं, जिसमें यह सवाल उठता है कि क्या फिल्मों में महिलाओं को सिर्फ ग्लैमरस और आकर्षक दिखाना ही मुख्य उद्देश्य होना चाहिए, या उनके किरदार को गहराई और शक्ति देना भी जरूरी है। 'पेद्दी' विवाद के बावजूद बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन कर रही है। दर्शक फिल्म के अन्य पहलुओं जैसे कहानी, अभिनय और डायरेक्शन को भी पसंद कर रहे हैं। लेकिन जाह्नवी कपूर के सीन ने फिल्म के सामाजिक असर को लेकर नई बहस खड़ी कर दी है। कुल मिलाकर, 'पेद्दी' का विवाद सिर्फ एक फिल्म की चर्चा तक सीमित नहीं है। यह बॉलीवुड में महिलाओं की छवि, उनकी भूमिका और फिल्ममेकिंग में संतुलन को लेकर एक जरूरी विमर्श भी है। इस मुद्दे पर दर्शक और उद्योग के लोगों की राय आने वाले समय में और स्पष्ट होती दिख सकती है।

पर्यावरण से प्रेम में आगे निकला साउथ सिनेमा

भव्य सेट,बड़ा बजट,बड़े सितारे और भी तमाम तरह के पैंतरे अपनाकर हिंदी और दक्षिण भारतीय सिनेमा में चलती रहती है कांटे की टक्कर,मगर पर्यावरण को प्रमुखता देने और भव्यता से प्रस्तुत करने में आज भी आगे है दक्षिण भारतीय सिनेमा

जड़ों से जुड़ा सिनेमा

साल 2022 में रिलीज हुई कांतारा 16 करोड़ रुपये में बनती है। एक लोकमान्यता, एक साधारण पृष्ठभूमि और कहानी की सेंट्रल थीम- जंगल और इसकी जमीन। जमीन और जंगल की इस लड़ाई को इस अंदाज में प्रस्तुत किया जाता है कि यह फिल्म 400करोड़ रुपये का कलेक्शन कर ले जाती है। प्रस्तुतिकरण की ताकत से कन्नड़ भाषा की इस फिल्म को देश ही नहीं दुनियाभर में पसंद किया गया मगर दूसरा पहलू यह है कि पर्यावरण चेतना और प्रकृति से जुड़ाव दिखाने में हिंदी सिनेमा कहीं न कहीं दक्षिण भारतीय सिनेमा से पीछे छूट रहा है।

केंद्र में हो प्रकृति

राज कपूर के दौर से लेकर मदर इंडिया, पाथेर पांचाली और हाथी मेरे साथी तक फिल्मों में प्रकृति को बखूबी दिखाया गया, लेकिन उस दौर में इन फिल्मों को केवल सामाजिक दृष्टिकोण से देखा जाता था, पर्यावरण संकट के चश्मे से नहीं। मनोरंजन-प्रधान फिल्में बना रहा हिंदी सिनेमा पर्यावरण को कहानी का छोटा हिस्सा तो बना लेता है मगर कहानी नहीं। दक्षिण भारतीय सिनेमा की सबसे बड़ी ताकत है उसका मिट्टी से जुड़ाव। चाहे कन्नड़ फिल्म कांतारा में दिखाया गया दैव और जंगल का रिश्ता हो, तमिल में बनी कादन में मनुष्य और जीवों के बीच का संबंध या मलयालम सिनेमा में बनी जल्लीकट्टु की प्रकृति के साथ जीने की छटपटाहट, मेकर्स अपनी लोककथाओं और जमीनी हकीकतों को बेधक दिखाने से डरते नहीं हैं। इसके विपरीत, हिंदी सिनेमा के लिए जंगल अक्सर सिर्फ एक लोकेशन या हारर फिल्म का बैकड्राप बनकर रह जाता है।

इन्होंने दिखाई हिम्मत

कई निर्देशक हैं जो इस ओर कदम बढ़ाते हैं मगर विद्या बालन स्टारर शेरनी, केदारनाथ त्रासदी पर बनी केदारनाथ जैसे कुछ गिने-चुने अपवादों को छोड़ दें,तो हिंदी सिनेमा में पर्यावरण संकट दिखाने की हिम्मत कम ही दिखती है। वन्यजीव तस्करी पर बनी लकड़बग्घा बाघ और इंसान के संघर्ष की अनोखी कहानी पेश करती शेरदिल द पीलीभीत सागा,सूखा और ग्रामीण भारत की त्रासदी पर आधारित कड़वी हवा,जल, शेखर कपूर की पानी और कौन कितने पानी में फैक्ट्रियों द्वारा ग्राउंड वाटर को जहरीला बनाने के मुद्दे पर बात करती हैं।

इसके अलावा इरादा प्रकृति बनाम विकास पर बनी जोरम जैसी फिल्में हिंदी सिनेमा को इस रेस में बनाए हुए हैं,लेकिन इतनी मजबूती से नहीं कि कांतारा जैसी मिसाल बना जाएं। कहीं न कहीं हिंदी दर्शकों की इन फिल्मों को लेकर प्रतिक्रिया भी इस कमी की जिम्मेदार है। क्रिटिक्स ऐसी फिल्मों को तो सिर-आंखों पर बिठाते हैं,फिल्म फेस्टिवल इन्हें सोने से तौलते हैं मगर ये फिल्में बाक्स आफिस पर अपनी लागत तक नहीं निकाल पातीं।

सुरक्षित कदम ले जा रहे पीछे

पर्यावरण, आदिवासियों के अधिकार और इंसानी लालच बनाम जीव...ये ऐसे विषय हैं,जो सीधे तौर पर कार्पोरेट और तथाकथित विकास के माडल पर तीखे सवाल खड़े करते हैं। हिंदी सिनेमा का कामर्शियल ढांचा इन कड़वे और आक्रामक सवालों से बचने की कोशिश करता है,जबकि तमिल में बनी भूमिका या मलयालम फिल्म वलिया चिराकुल्ला पक्शिकल जैसी फिल्में सीधे तौर पर जमीन और जंगल की लड़ाई को मुख्यधारा के सिनेमा का हिस्सा बनाती हैं। कहना गलत न होगा कि दक्षिण भारतीय सिनेमा इन मुद्दों को इतने कामर्शियल और प्रभावी ढंग से पेश करता है कि दर्शक इन्हें हाथों-हाथ लेते हैं। वे पर्यावरण के संकट को इंसानी जज्बातों,थ्रिल और ड्रामे के साथ ऐसे बुनते हैं कि दर्शक हिल जाते हैं।

खेल समाचार

जय शाह ने अब तक के सबसे बड़े महिला टी 20 वर्ल्ड कप से पहले टीमों को शुभकामनाएं दीं...

नई दिल्ली,07 जून 2026। आईसीसी चेयरमैन जय शाह ने आईसीसी विमेंस टी 20 वर्ल्ड कप 2026 के शुरू होने से पहले हिस्सा लेने वाली सभी 12 टीमों को शुभकामनाएं दीं और इस टूर्नामेंट को इवेंट के इतिहास का सबसे बड़ा एडिशन बताया। 12 जून को टूर्नामेंट के ओपनर से पहले ङ्ग पर बात करते हुए, शाह ने कॉम्पिटिशन के लेवल पर ज़ोर दिया, जिसे इंग्लैंड और वेल्स में होस्ट किया जाएगा और इसमें पहली बार रिकॉर्ड 12 टीमें हिस्सा लेंगी। शाह ने पोस्ट किया,अब तक के सबसे बड़े आईसीसी विमेंस टी20 वर्ल्डकप के लिए सभी 12 टीमों को शुभकामनाएं! इंग्लैंड और वेल्स के मशहूर वेन्यू पर रिकॉर्ड तोड़ अटेंडेंस और किसी विमेंस इवेंट के लिए अब तक का सबसे बड़ा ग्लोबल ब्रॉडकास्ट देखने को मिलेगा, हम एक ऐसे यादगार टूर्नामेंट के लिए तैयार हैं जो लाखों फैंस और दुनिया के बेस्ट एथलीट्स को एक साथ लाएगा।÷

विमेंस टी 20 वर्ल्ड कप का 10वां एडिशन विमेंस क्रिकेट के लिए एक अहम कदम है। 2009 में पहले टूर्नामेंट के बाद यह पहली बार इंग्लैंड में इवेंट की वापसी है। सात जगहों पर कुल 33 मैच खेले जाएंगे, और इस इवेंट में रिकॉर्ड भीड़ और दुनिया भर के दर्शक आने की उम्मीद है। होस्ट इंग्लैंड का मकसद पहले विमेंस टी 20 वर्ल्ड कप की अपनी सफलता को दोहराना है,जिसे उन्होंने 2009 में पूर्व कप्तान शार्लेट एडवर्ड्स के अंडर जीता था, जो अब हेड कोच हैं। इंग्लैंड को 2017 में अपने घर पर यादगार विमेंस ओडीआई वर्ल्ड कप जीत से भी बढ़ावा मिला है। डिफेंडिंग चैंपियन न्यूज़ीलैंड विमेंस क्रिकेट टीम 2024 में यूएई में अपना पहला विमेंस टी 20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद टाइटल होल्डर के तौर पर आ रही है। व्हाइट फर्न्स टूर्नामेंट शुरू होने के बाद से ट्रॉफी जीतने वाला सिर्फ़ चौथा देश है। जहां इंग्लैंड, न्यूज़ीलैंड और वेस्ट इंडीज़ विमेंस क्रिकेट टीम ने एक-एक बार टाइटल जीता है, वहीं ऑस्ट्रेलिया ने छह चैंपियनशिप के साथ कॉम्पिटिशन के इतिहास में अपना दबदबा बनाया है।

इस टूर्नामेंट में रिकॉर्ड 12 टीमें शामिल होंगी। इंग्लैंड ने होस्ट के तौर पर ऑटोमैटिकली क्वालिफ़ाई कर लिया है, जबकि ऑस्ट्रेलिया, इंडिया,न्यूज़ीलैंड, साउथ अफ्रीका, श्रीलंका, पाकिस्तान और वेस्ट इंडीज़ ने आईसीसी रैंकिंग के आधार पर डायरेक्ट एंट्री हासिल की है। बांग्लादेश, आयरलैंड, स्कॉटलैंड और नीदरलैंड्स ने आईसीसी विमेंस टी 20 वर्ल्ड कप ग्लोबल क्वालिफ़ायर के ज़रिए क्वालिफ़ाई किया है। नई टीमों में, नीदरलैंड्स विमेंस क्रिकेट टीम अपना विमेंस टी 20 वर्ल्ड कप डेब्यू करेगी, जो पूरे यूरोप में विमेंस क्रिकेट की बढ़ती पहुँच को दिखाता है।

टीमों को दो ग्रूप में बांटा गया है। ग्रूप ए में ऑस्ट्रेलिया,बांग्लादेश, इंडिया,नीदरलैंड्स,पाकिस्तान और साउथ अफ्रीका शामिल हैं। ग्रूप बी में इंग्लैंड,आयरलैंड,न्यूज़ीलैंड, स्कॉटलैंड,श्रीलंका और वेस्ट इंडीज़ शामिल हैं। हर टीम ग्रूप स्टेज में पाँच मैच खेलेगी,जिसमें हर ग्रूप से टॉप दो टीमें सेमी-फ़ाइनल में जाएँगी। यह टूर्नामेंट इंग्लैंड के कुछ सबसे मशहूर क्रिकेट वेन्यू,जैसे ओल्ड ट्रैफ़र्ड, हेडिंग्ले,एजबेस्टन,काउंटी ग्राउंड ब्रिस्टल,यूटिलिटा बाउल, द ओवल और लॉर्ड्स में होगा। वार्म-अप गेम 6 जून को डर्बी,लॉफबोरो और कार्डिफ़ में शुरू हुए,जिससे टीमों को टूर्नामेंट के ऑफिशियली शुरू होने से पहले अपनी तैयारियों को बेहतर बनाने का मौका मिला। सेमी-फ़ाइनल 30 जून और 2 जुलाई को द ओवल में होंगे,और फ़ाइनल 5 जुलाई को लॉर्ड्स में होगा, जो क्रिकेट का स्पिरिचुअल घर है।

प्रग्गनानंद की नॉर्वे जीत: भारतीय शतरंज के लिए एक नया युग

ओस्लो,07 जून 2026। आर प्रज्ञानंद ने मशहूर नॉर्वे चेस टाइटल जीतकर इतिहास रच दिया। यह ग्लोबल चेस में देश के बढ़ते दबदबे में एक अहम मील का पत्थर है। इस युवा ग्रैंडमास्टर ने टूर्नामेंट के आखिरी स्टेज में शानदार वापसी की, दुनिया के कुछ बेहतरीन खिलाड़ियों के खिलाफ धैर्य और टैक्टिकल स्किल दिखाई। उनकी जीत एक मजबूत फिनिश के बाद हुई, जिसमें आखिरी राउंड में एक अहम जीत भी शामिल है,जिसने टाइटल को शानदार तरीके से पक्का किया। इस कामयाबी को और भी खास बनाने वाली बात यह है कि इस टूर्नामेंट को अक्सर चेस कैलेंडर के सबसे मुश्किल इवेंट्स में से एक माना जाता है। मैग्नस कार्लसन जैसे वर्ल्ड चैंपियन-लेवल के खिलाड़ियों सहित टॉप नामों के खिलाफ मुकाबला करते हुए, प्रज्ञानंद ने अपनी उम्र से ज़्यादा मैच्योरिटी दिखाई और टॉप पर पहुंचे।

यह जीत वर्ल्ड चेस में एक बड़े बदलाव को दिखाती है,जिसमें भारतीय युवा खिलाड़ी लगातार जाने-माने स्टार्स को चुनौती दे रहे हैं। डी गुकेश जैसे खिलाड़ियों के साथ, प्रज्ञानंद एक निडर नई पीढ़ी को रिप्रेजेंट करते हैं जो इस खेल में भारत की मौजूदगी को फिर से तय कर रही है। टाइटल के अलावा, यह जीत उनकी मेंटल मज़बूती और प्रेशर में अच्छा परफॉर्म करने की काबिलियत को दिखाती है। एक हाई-स्टेक टूर्नामेंट में ज़ोरदार वापसी करना न सिर्फ़ स्किल दिखाता है, बल्कि सबसे ऊँचे लेवल पर सफल होने के लिए ज़रूरी टेम्परामेंट भी दिखाता है।उनकी सफलता भारत के चेस इकोसिस्टम की लगातार ग्रोथ को भी दिखाती है, जिसे मज़बूत ग्रासरूट डेवलपमेंट, अनुभवी कोच और युवा टैलेंट के लिए बढ़ते इंटरनेशनल एक्सपोज़र का सपोर्ट मिला है। इतने सालों में, इस सिस्टम ने लगातार वर्ल्ड क्लास प्लेयर्स तैयार किए हैं जो सबसे बड़े स्टेज पर मुकाबला करने में काबिल हैं। जब पूरे देश में जश्न मनाया जा रहा है, प्रज्ञानंद की इस कामयाबी को भारतीय चेस के लिए एक अहम पल माना जा रहा है। आगे और भी कई टूर्नामेंट होने वाले हैं, यह ऐतिहासिक जीत ग्लोबल स्टेज पर इस युवा ग्रैंडमास्टर के लिए और भी बड़े सफ़र की शुरुआत हो सकती है।

छत्तीसगढ़ में घरेलू सिलेंडर 29 महंगा

रायपुर में 1013 में मिलेगा,3 महीने में 89 की बढ़ोतरी हफ्तेभर पहले कॉमर्शियल गैस के दाम बढ़े थे

रायपुर,07 जून 2026। छत्तीसगढ़ में घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमत 29 रुपए तक बढ़ गई है। रायपुर में पहले 14.2 किलोग्राम का घरेलू गैस सिलेंडर 984 रुपए में मिल रहा था,जो अब 1013 रुपए का हो गया है। नई दरें रविवार से लागू कर दी गई हैं। पिछले 3 महीनों में यह दूसरी बार है, जब घरेलू एलपीजी सिलेंडर के दाम बढ़ाए गए हैं। इससे पहले 7 मार्च को सिलेंडर की कीमत में 60 रुपए की बढ़ोतरी की गई थी।

इस तरह तीन महीने के अंदर घरेलू गैस सिलेंडर कुल 89 रुपए महंगा हो चुका है। वहीं,करीब एक हफ्ते पहले कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर के दाम में भी लगभग 53 रुपए की बढ़ोतरी की गई थी। तेल कंपनियों का कहना है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में ऊर्जा लागत बढ़ने और घरेलू बिक्री पर हो रहे नुकसान के कारण एलपीजी की कीमतों में वृद्धि करनी पड़ी है। सूत्रों के हवाले से बताया कि सरकारी तेल कंपनियों को हर घरेलू सिलेंडर पर करीब 703 का नुकसान हो रहा था। दाम बढ़ने से बावजूद सिर्फ आंशिक भरपाई होगी। 2026 से पहले सरकार ने 8 अप्रैल 2025 को घरेलू एलपीजी सिलेंडर के दामों में 50 का इजाफा किया था। 1 मार्च 2026 को कॉमर्शियल गैस सिलेंडर के दाम 31 तक बढ़ाए गए थे। 5 किलोग्राम वाले एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में भी 11 का इजाफा किया गया था, जिससे इसकी कीमत 821.50 हो गई।

छत्तीसगढ़ परिवहन विभाग में बड़ा फेरबदल,200 से ज्यादा कर्मचारियों और अधिकारियों का ट्रांसफर

रायपुर,07 जून 2026। छत्तीसगढ़ परिवहन विभाग में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल किया गया है। इस बार परिवहन निरीक्षक, उपनिरीक्षक,सहायक उपनिरीक्षक, प्रधान आरक्षक और आरक्षकों के तबादले किए गए हैं। परिवहन आयुक्त ने यह ट्रांसफर ऑर्डर जारी किया है। विभाग ने इसे नियमित रोटेशन बताया है। नवा रायपुर स्थित परिवहन आयुक्त कार्यालय से जारी आदेश के मुताबिक विभिन्न जिलों, उड़नदस्ता इकाइयों और चेकपोस्टों में पदस्थ अधिकारियों-कर्मचारियों को तत्काल प्रभाव से नई पदस्थापना दी गई है। आदेश में कोरबा,रायगढ़, दुर्ग, बिलासपुर,अंबिकापुर,जगदलपुर,राजनांदगांव, कोरिया समेत कई जिलों को शामिल किया गया है। परिवहन निरीक्षक और परिवहन उपनिरीक्षक वर्ग के अधिकारियों को एक जिले से दूसरे जिले तथा विभिन्न चेकपोस्ट और उड़नदस्ता इकाइयों में स्थानांतरित किया गया है। कई अधिकारियों को जिला परिवहन कार्यालयों से उड़नदस्ता और चेकपोस्टों में भेजा गया है, जबकि कुछ को फील्ड पोस्टिंग से कार्यालय की जिम्मेदारी सौंपी गई है। आदेश के तहत प्रदेश के प्रमुख चेकपोस्टों में तबादला किया गया है। जिसमें पाटेकोहरा, चिल्फी, रेंगापाली,धनवार,कोटा,बागबाहरा,रामानुजगंज और खरसियापाली है। यहां नई तैनातियां की गई हैं।

घने जंगल में सुरक्षा बलों की बड़ी सफलता...2 प्रेशर कुकर आईईडी और 1 पाइप बम निष्क्रिय,नक्सलियों का विस्फोटक जखीरा बरामद

दंतेवाड़ा,07 जून 2026। नक्सल उन्मूलन अभियान के तहत दंतेवाड़ा पुलिस और सीआरपीएफ को बड़ी सफलता मिली है। थाना बारसूर क्षेत्र के ग्राम तोड़मा के घने जंगलों में संयुक्त सर्च ऑपरेशन के दौरान सुरक्षा बलों ने 2 प्रेशर कुकर आईईडी, 1 पाइप बम तथा नक्सलियों द्वारा छिपाकर रखा गया भारी मात्रा में विस्फोटक और प्रतिबंधित सामग्री बरामद की। बम निरोधक दस्ते (बीडीएस) ने मौके पर ही सभी आईईडी को सुरक्षित रूप से निष्क्रिय कर दिया। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, 06 जून को मिली सटीक खुफिया सूचना के आधार पर ग्राम तोड़मा के जंगल क्षेत्र में सीआरपीएफ 195वीं वाहिनी एवं दंतेवाड़ा पुलिस के नेतृत्व में संयुक्त सर्च ऑपरेशन चलाया गया। यह अभियान द्वितीय कमान अधिकारी विक्रांत वर्मा के मार्गदर्शन तथा सहायक कमांडेंट संजीव कुमार यादव के नेतृत्व में संचालित किया गया। सर्चिंग के दौरान सुबह लगभग 8:40 बजे जवानों को जंगल में संदिग्ध वस्तु दिखाई दी। सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए क्षेत्र को घेरकर बीडीएस टीम को बुलाया गया। जांच में वहां 5-5 लीटर क्षमता वाले दो प्रेशर कुकर आईईडी और लगभग 10 किलोग्राम वजन का एक पाइप बम बरामद हुआ। बीडीएस टीम ने विशेषज्ञ तकनीक का उपयोग करते हुए तीनों विस्फोटकों को मौके पर ही निष्क्रिय कर नष्ट कर दिया। अभियान के दौरान सुरक्षा बलों ने आसपास के क्षेत्र में व्यापक सर्चिंग कर नक्सलियों के विस्फोटक डंप का भी खुलासा किया।

बरामद सामग्री में बीजीएल,.303 रायफल,एयर रायफल,.303 मैगजीन, चार्जर क्लिप,इंसास मैगजीन,12 बोर कारतूस, ब्लैंक कारतूस,वायरलेस सेट, गन पाउडर,कोर्डेक्स वायर,शॉक वेव डेटोनेटर, 128 इलेक्ट्रिक डेटोनेटर,48 गैर-विद्युत डेटोनेटर,51 एमएम बम,दूरबीन,नक्सली वर्दी,कॉम्बेट बेल्ट,मल्टीमीटर,कैमरा फ्लैश,इलेक्ट्रिक कंट्रोल यूनिट,बैटरियां, इलेक्ट्रिक स्विच,टेलीफोन वायर तथा नक्सली साहित्य सहित बड़ी मात्रा में सामग्री शामिल है। सुरक्षा बलों की सतर्कता,सूझबूझ और त्वरित कार्रवाई से संभावित बड़ी जनहानि टल गई। ऑपरेशन के बाद सभी जवान सुरक्षित रूप से वापस लौट आए। बरामद सामग्री के संबंध में जब्ती पंचनामा तैयार कर आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

धमतरी में 400 किलो से ज्यादा गांजा बरामद

96 पैकेट्स में जगदलपुर से रायपुर ले जाई जा रही थी खेप,4 गिरफ्तार

धमतरी,07 जून 2026। छत्तीसगढ़ के धमतरी जिले में पुलिस ने गांजा तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 400 किलो से अधिक गांजा जब्त किया है। वनोपज नाके पर चेकिंग के दौरान एक पिकअप और एक कार से 96 पैकेट में पैक गांजे की खेप बरामद की गई। मामले में चार से अधिक लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। यह कार्रवाई अर्जुनी थाना क्षेत्र स्थित वनोपज नाके पर की गई। कोतवाली पुलिस, अर्जुनी थाना और विशेष टीम ने संयुक्त रूप से अभियान चलाते हुए संदिग्ध वाहनों की जांच की। इसी दौरान एक कार और पिकअप वाहन से भारी मात्रा में गांजा बरामद हुआ।

फोम और कंबलों के नीचे छिपा रखा था गांजा

पुलिस के अनुसार, तस्कर जगदलपुर की ओर से रायपुर जा रहे थे। पिकअप वाहन में गांजे को फोम और कंबलों के नीचे छिपाकर रखा गया था, ताकि पुलिस को भनक न लगे। श्यामतराई नाके के पास चेकिंग के दौरान दोनों वाहनों को रोककर तलाशी ली गई, जिसमें गांजे की खेप पकड़ी गई।

96 पैकेट में पैक थी खेप

तलाशी के दौरान पुलिस को 96 पैकेटों में पैक 400 किलो से अधिक गांजा मिला। बरामद गांजे की बाजार कीमत लाखों रुपये बताई जा रही है। पुलिस ने दोनों वाहनों को जब्त कर लिया है।

कई आरोपी हिरासत में,पूछताछ जारी

कार्रवाई के दौरान चार से अधिक संदिग्धों को हिरासत में लिया गया है। पुलिस उनसे गांजे के स्रोत, सप्लाई नेटवर्क और अन्य सहयोगियों के संबंध में पूछताछ कर रही है।

जल्द होगा बड़ा खुलासा

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मामले की जांच जारी है और तस्करी से जुड़े नेटवर्क की कड़ियां खंगाली जा रही हैं। विस्तृत पूछताछ और जांच के बाद पूरे मामले का खुलासा किया जाएगा।

रायपुर में सिलयारी चौकी प्रभारी सस्पेंड

नाबालिग के अपहरण केस में पुलिस ने बरती लापरवाही,एसपी की जांच के बाद 2 आरोपी गिरफ्तार

रायपुर,07 जून 2026। रायपुर ग्रामीण पुलिस ने गुमशुदा नाबालिग बच्ची के मामले में सिलयारी चौकी प्रभारी को निलंबित कर दिया है। पुलिस अधीक्षक ने मामले की संवेदनशीलता को गंभीरता से नहीं लेने और स्थानीय स्तर पर मिल रही सूचनाओं की अनदेखी करने पर यह कार्रवाई की है। सिलयारी चौकी प्रभारी का नाम जितेंद्र दुबे बताया जा रहा है। वहीं मामले में पॉक्सो एक्ट के तहत केस दर्ज कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। एसपी ग्रामीण कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार, धरसींवां थाना क्षेत्र की सिलयारी चौकी में 18 अप्रैल 2026 को एक पिता ने अपनी नाबालिग बेटी के गुम होने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। शिकायत में बताया गया था कि उसकी बेटी 17 अप्रैल से लापता है। इस पर पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू की और अगले ही दिन बच्ची को बरामद कर लिया। प्रक्रिया के तहत महिला पुलिस अधिकारी ने बच्ची का बयान दर्ज किया। उसे बाल कल्याण समिति और न्यायालय के सामने पेश किया गया। शुरुआती बयान में बच्ची ने किसी भी प्रकार के अपराध से इनकार किया था। इसके बाद मामले को खारिज करने का प्रस्ताव वरिष्ठ कार्यालय भेजा गया। इसी दौरान एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, जिसमें बच्ची के दादा कथित रूप से मामले को दबाने के लिए पैसे लेते दिखाई दिए। वीडियो सामने आने के बाद पुलिस अधीक्षक ने खारिजी प्रस्ताव को अस्वीकार कर दोबारा जांच के निर्देश दिए।

समृद्ध,संगठित और शिक्षित समाज ही सशक्त राष्ट्र की आधारशिला : मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय

रायपुर,07 जून 2026। संगठित,शिक्षित और जागरूक समाज ही मजबूत राष्ट्र निर्माण की वास्तविक शक्ति होता है। समाज जितना सशक्त होगा,राष्ट्र उतना ही प्रगतिशील, समृद्ध और आत्मनिर्भर बनेगा। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज धमतरी जिले के ग्राम छाती स्थित कृषि उपज मंडी परिसर में आयोजित चन्द्रनाहू (चंद्राकर) कुर्मी-क्षत्रिय समाज के 55वें केंद्रीय अधिवेशन को संबोधित करते हुए यह बात कही। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि इस गौरवशाली समाज के केंद्रीय अधिवेशन में शामिल होना उनके लिए सौभाग्य का विषय है। उन्होंने कहा कि चन्द्रनाहू कुर्मी-क्षत्रिय समाज समृद्ध परंपराओं,सामाजिक चेतना, संगठन क्षमता और उत्कृष्ट मूल्यों का वाहक है। यह वही समाज है जिसने देश को छत्रपति शिवाजी महाराज और लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल जैसे महान व्यक्तित्व दिए हैं,जिनके आदर्श आज भी राष्ट्र निर्माण और जनसेवा के लिए प्रेरित करते हैं। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि कोई भी समाज शिक्षा, संगठन,संस्कार और सामाजिक उत्तरदायित्व के बल पर निरंतर आगे बढ़ता है। चन्द्रनाहू समाज ने कृषि, शिक्षा, प्रशासन, राजनीति,सामाजिक सेवा और उद्यमिता सहित विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देकर प्रदेश और देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। समाज की नई पीढ़ी शिक्षा, तकनीकी दक्षता और नवाचार के माध्यम से विकास की नई इबारत लिख रही है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने क्षेत्र के विकास के लिए कई महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं। उन्होंने छाती से झूरानवागांव तक सड़क निर्माण, ग्राम छाती को भविष्य में नगर पंचायत का दर्जा प्रदान करने की प्रक्रिया प्रारंभ करने,नवीन हायर सेकेंडरी स्कूल भवन निर्माण तथा समाज के लिए नवा रायपुर में सामाजिक भवन हेतु भूमि उपलब्ध कराने की घोषणा की। मुख्यमंत्री की घोषणाओं का उपस्थित जनसमुदाय ने जोरदार स्वागत किया। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि ऐसे अधिवेशन केवल सामाजिक आयोजन नहीं होते, बल्कि समाज को संगठित, जागरूक और सशक्त बनाने के प्रभावी मंच होते हैं। जब समाज के लोग एकत्र होकर विचार-विमर्श करते हैं, अनुभव साझा करते हैं और नई पीढ़ी के लिए दिशा निर्धारित करते हैं,तब सामाजिक एकता और विकास की नई संभावनाएं जन्म लेती हैं। उन्होंने समाज द्वारा प्रशासनिक सेवाओं, शिक्षा, खेल,व्यवसाय तथा अन्य क्षेत्रों में उत्कृष्ट उपलब्धियां हासिल करने वाले प्रतिभावान व्यक्तियों और विद्यार्थियों के सम्मान की सराहना करते हुए कहा कि सम्मान की संस्कृति समाज में सकारात्मक प्रतिस्पर्धा और उत्कृष्टता को बढ़ावा देती है। ऐसे प्रयास युवाओं को आगे बढ़ने और नए कीर्तिमान स्थापित करने के लिए प्रेरित करते हैं। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि शिक्षा किसी भी समाज की वास्तविक शक्ति है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा ही सामाजिक और आर्थिक प्रगति का आधार बनती है। राज्य सरकार विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास और शिक्षा के विस्तार के लिए अनेक जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन कर रही है। उन्होंने समाज के सभी वर्गों से इन योजनाओं का अधिकतम लाभ उठाने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने समाज के उद्यमियों और व्यवसायियों से राज्य सरकार की नई औद्योगिक नीति का अध्ययन करने और निवेश के अवसरों का लाभ उठाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में उद्योग और निवेश के लिए अनुकूल वातावरण तैयार किया गया है। नई औद्योगिक नीति में युवाओं, उद्यमियों और निवेशकों के लिए अनेक प्रोत्साहन प्रावधान किए गए हैं।

प्रदेश कांग्रेस का महा-मंथन! 10 दिवसीय विशेष शिविर में जुटेंगे जिला अध्यक्ष,राहुल और खड़गे देंगे जीत का मंत्र

रायपुर,07 जून 2026। छत्तीसगढ़ में संगठन को नए सिरे से मजबूत करने और मैदानी स्तर पर कार्यकर्ताओं में नई जान फूंकने के लिए प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने एक बड़ा मास्टरप्लान तैयार किया है। पार्टी आगामी 21 जून से 30 जून तक राजधानी रायपुर के करीब अभनपुर स्थित एक निजी रिसॉर्ट में 10 दिवसीय विशेष प्रशिक्षण शिविर का आयोजन करने जा रही है। इस हाई-प्रोफाइल शिविर में हाल ही में नियुक्त किए गए सभी नए जिला कांग्रेस अध्यक्षों का शामिल होना अनिवार्य किया गया है।

राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे भी आएंगे छत्तीसगढ़!

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार इस प्रशिक्षण शिविर की सबसे खास और बड़ी बात यह है कि इसमें कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी विशेष रूप से शामिल होंगे। दोनों शीर्ष नेता छत्तीसगढ़ आकर सीधे जिला अध्यक्षों से संवाद करेंगे। वे नए अध्यक्षों को संबोधित कर संगठन को मजबूत बनाने,गुटबाजी दूर करने और जमीनी स्तर पर पार्टी की सक्रियता बढ़ाने को लेकर अपना खास मार्गदर्शन देंगे।

क्यों लग रही है क्लास?

दरअसल, कांग्रेस संगठन के सूत्रों के अनुसार,इस 10 दिवसीय गहन प्रशिक्षण शिविर का मुख्य उद्देश्य जिला अध्यक्षों को वैचारिक रूप से सशक्त बनाना है। शिविर के दौरान जिला अध्यक्षों को निम्नलिखित महत्वपूर्ण विषयों पर मास्टरक्लास दी जाएगी।

वैचारिक मजबूती: कांग्रेस पार्टी की मूल विचारधारा और जनहित के मुद्दों पर स्पष्टता।

संगठन का विस्तार: पार्टी की गतिविधियों और संदेश को हर गांव, वार्ड और पोलिंग बूथ स्तर तक सक्रिय रूप से कैसे ले जाया जाए।

लीडरशिप डेवलपमेंट: कार्यकर्ताओं के साथ बेहतर तालमेल, समन्वय और नेतृत्व क्षमता का विकास।

चुनावी रणनीति : आगामी राजनीतिक चुनौतियों, स्थानीय आंदोलनों और चुनावी रणनीतियों को लेकर विस्तृत रोडमैप तैयार करना।

गर्मी से मिलेगी राहत! छत्तीसगढ़ की तरफ तेजी से बढ़ा मानसून,मौसम विभाग ने जारी किया भारी बारिश का अलर्ट

रायपुर,07 जून 2026। चिलचिलाती धूप और उमस से परेशान छत्तीसगढ़ के लोगों के लिए बड़ी राहत की खबर है। प्रदेश में मानसून की एंट्री का काउंटडाउन शुरू हो गया है। मौसम विभा के मुताबिक, दक्षिण-पश्चिम मानसून अगले 4 से 5 दिनों में छत्तीसगढ़ के कुछ हिस्सों में दस्तक दे देगा। राहत की बात यह है कि मानसून महाराष्ट्र,तेलंगाना,आंध्र प्रदेश और ओडिशा के रास्ते मध्य भारत की तरफ तेजी से आगे बढ़ रहा है। फिलहाल, मौसम वैज्ञानिकों ने अगले 5 दिनों तक प्रदेश के अलग-अलग इलाकों में आंधी-तूफान, गरज-चमक और हल्की से मध्यम बारिश की आशंका जताई है। खासकर दक्षिण छत्तीसगढ़ (बस्तर संभाग) में मौसम की हलचल सबसे ज्यादा रहने वाली है। बीते 24 घंटों के दौरान प्रदेश के तापमान में कोई बहुत बड़ा उलटफेर नहीं देखा गया। बिलासपुर शहर एक बार फिर सबसे गर्म रहा,जहाँ अधिकतम तापमान 41.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। वहीं,पेंड्रा रोड में सबसे कम न्यूनतम तापमान 23.2 डिग्री सेल्सियस रहा। इस बीच,प्रदेश के कई हिस्सों में प्री-मानसून की बारिश भी हुई है। सक्ती जिले के चंद्रपुर में सबसे ज्यादा 20 मिलीमीटर पानी गिरा। इसके अलावा गरियाबंद के देवभोग,बस्तर और जांजगीर-चांपा के नवागढ़ में 10-10 मिलीमीटर बारिश रिकॉर्ड की गई, जिससे लोगों को उमस से थोड़ी राहत मिली है।

कटहल के नीचे छिपाकर ले जा रहे थे 125 किलोग्राम गांजा

महासमुंद पुलिस ने यूपी के 2 तस्करों को दबोचा,70.93 लाख की संपत्ति जब्त

महासमुंद,07 जून 2026। छत्तीसगढ़ के महासमुंद जिले में पुलिस ने गांजा तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 125.700 किलोग्राम गांजा जब्त किया है। इस मामले में उत्तर प्रदेश के दो अंतरराज्यीय तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने गांजा, पिकअप वाहन और मोबाइल समेत कुल 70.93 लाख रुपए की संपत्ति जब्त की है। मामला सिंघोड़ा थाना क्षेत्र का है। पुलिस को सूचना मिली थी कि, एक पिकअप वाहन (P-70 LT-0860) में गांजा छिपाकर ओडिशा से उत्तर प्रदेश ले जाया जा रहा है। तस्करों ने पुलिस की नजरों से बचने के लिए वाहन में लदे कटहल के नीचे गांजे की बोरियां छिपा रखी थीं। सूचना के आधार पर एंटी नारकोटिक टास्क फोर्स और सिंघोड़ा पुलिस ने रेहटीखोल चेकपोस्ट पर वाहन जांच अभियान चलाया। इसी दौरान संदिग्ध पिकअप को रोककर तलाशी ली गई।

प्रयागराज के रहने वाले निकले आरोपी

वाहन ड्राइवर ने अपना नाम धीरेंद्र कुमार गौतम (42) निवासी करछना, जिला प्रयागराज (उत्तर प्रदेश) बताया। वहीं उसके साथ बैठे युवक की पहचान लवकुश गौतम (22) निवासी बारा, जिला प्रयागराज के रूप में हुई। जांच के दौरान कटहल के नीचे छिपाकर रखी गई चार प्लास्टिक बोरियों से कुल 125.700 किलोग्राम गांजा बरामद किया गया।

ओडिशा से लाकर प्रयागराज में खपाने की थी तैयारी : पूछताछ में आरोपियों ने पुलिस को बताया कि गांजा ओडिशा के बलांगीर जिले से लाया गया था। इसे उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में बेचने की योजना थी। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 62.85 लाख रुपए मूल्य का गांजा, 8 लाख रुपए कीमत का टाटा माजदा पिकअप वाहन और एक मोबाइल फोन जब्त किया है।

इस कार्रवाई के दौरान जब्त की गई कुल संपत्ति का मूल्य 70 लाख 93 हजार रुपए आंका गया है। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 20(बी)(ii)(सी) के तहत मामला दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया है।

सक्ती में सड़क हादसे में मामा-भांजे की मौत,ईंट से भरे ट्रैक्टर से भिड़ी बाइक

सक्ती,07 जून 2026। सक्ती जिले के डभरा थाना क्षेत्र में रविवार को हुए भीषण सड़क हादसे में मामा-भांजे की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। यह दुर्घटना डभरा-खरसिया मुख्य सड़क मार्ग पर लक्ष्मणभांठा गांव के पास हुई,जहां बाइक और ईंट से भरे ट्रैक्टर की आमने-सामने टक्कर हो गई। जानकारी के अनुसार, कोटमी गांव निवासी छोटेलाल बरेठ,संजू बरेठ और लीलावती बरेठ एक ही बाइक पर सवार होकर अपने गांव लौट रहे थे। इसी दौरान सामने से आ रहे ईंट लोड ट्रैक्टर से उनकी बाइक की जोरदार भिड़ंत हो गई। प्रत्यक्ष दर्शियों के मुताबिक टक्कर का असर इतना जबरदस्त था कि बाइक सवार संजू बरेठ और छोटेलाल बरेठ ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। दोनों रिश्ते में मामा-भांजे बताए जा रहे हैं। हादसे के बाद सड़क पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। दुर्घटना में लीलावती बरेठ गंभीर रूप से घायल हो गईं। स्थानीय लोगों ने तत्काल डायल-112 और पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची टीम ने घायल महिला को शुरुआती इलाज के बाद अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका इलाज जारी है। डॉक्टरों के अनुसार उनकी हालत चिंताजनक बनी हुई है। घटना की सूचना मिलते ही डभरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मृतकों के शवों को कब्जे में लेकर पंचनामा कार्रवाई की। दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। दुर्घटनाग्रस्त बाइक और ट्रैक्टर को भी पुलिस ने जब्त कर लिया है।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050,डॉक रजिस्टर्ड क्र.:-13/सरगुजा/डीएन/2026-2028-मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)